दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-70 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शुक्रवार 27 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दी समझौते की धमकी, कहा-

ईरान को गंभीर हो जाना चाहिए इससे पहले देर हो जाए

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान को जल्द गंभीर होकर फैसला लेना होगा, वरना हालात ऐसे हो जाएंगे जहां से वापसी संभव नहीं होगी। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ा दिया है। इसी के साथ उन्होंने नाटो देशों पर भी निशाना साधा और सहयोग न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे डील करने के लिए भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना चाहिए क्योंकि वो सैन्य रूप से खत्म हो चुके हैं और वापसी का कोई मौका उनके पास नहीं है, और फिर भी वे सबके सामने कहते हैं कि वे सिर्फ हमारे प्रस्ताव को देख रहे हैं।

युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत नहीं

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सरकारी मीडिया को बताया कि उनकी सरकार ने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत नहीं की है और न ही उनकी किसी बातचीत की योजना है। हालांकि उन्होंने माना कि यूएस ने दूसरे देशों के जरिए ईरान को संदेश भेजने की कोशिश की थी, उन्होंने कहा कि यह न तो बातचीत थी और न ही कोई नेगोशिएशन।धमकी, चेतावनी और विरोध के बीच पश्चिम एशिया ही नहीं पूरी दुनिया के लिए 27 मार्च का दिन काफी अहम है। 23 मार्च को ट्रंप ने ईरान के साथ वार्ता का दावा करते हुए कहा था कि बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक है.

जिले को मिली कलेक्टर कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालय भवन की सौगात

राज्य सरकार *सच्चा वादा* और पक्का काम के ध्येय को साकार करते हुए बढ़ रही है संकल्प से सिद्धि की ओर:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सच्चा वादा और पक्का काम के ध्येय को साकार करते हुए संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ रही है। उज्जैन में 3 साल पहले बाबा महाकाल का महालोक बना। उसके बाद प्रदेश में प्रमुख तीर्थ स्थलों को धाम के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। आज चैत्र नवरात्रि में पांढुर्णा के जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक सहित 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन अद्भुत अवसर है। उन्होंने जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्यों के लिए घोषणा की तथा बताया कि यहां श्रद्धालुओं के लिए 10 बिस्तर का छोटा अस्पताल भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम नवमी के अवसर पर शुक्रवार को भोपाल से राजा रामचंद्र धाम ओरछा के लिए पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ होगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उज्जैन में श्री अंगारेश्वर महादेव का सपत्नीक पूजन, दर्शन कर अभिषेक किया।

प्रधानमंत्री भारत के स्वाभिमान के साथ विदेश नीति पर निर्णय ले रहे हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश केसाथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। खाड़ी में युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री भारत के स्वाभिमान के साथ विदेश नीति पर निर्णय ले रहे हैं। भारत सरकार के संकल्प से ही संकट के समय विदेशों में फंसे हजारों भारतीयों की स्वदेश वापसी संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री हनुमान ने जीवन में बड़ी चुनौतियों का अडिग रहते हुए सामना किया। प्रभु श्रीराम ने संकट के समय जब भी हनुमान जी को याद किया, उन्होंने पल भर में समस्या का समाधान कर दिया। जय बजरंगबली से हमें सीख मिलती है कि जीवन में कभी भी विनम्रता को नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही मन-बुद्धि के साथ अपने शरीर के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव गठित पांढुर्णा जिले में लंबे समय से कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की आवश्यकता थी। इसकी पूर्ति करते हुए अब पांढुर्णा को जिला पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालय के भवन की सौगात भी मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। पांढुर्णा में 10 एकड़ भूमि पर इंडोर और आउट डोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

श्रद्धालुओं को सुविधाएँ उपलब्ध कराने में नहीं रखी जाएगी कोई कमी

मुख्यमंत्री ने आज उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर निर्माणधीन घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रखी जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अंगारेश्वर और श्री सिद्धवट के मध्य क्षिप्रा नदी पर बन रहे नए घाटों का अवलोकन भी किया। ये घाट आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के स्नान और अन्य सुविधाओं के लिए तैयार किए जा रहे हैं। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

पश्चिम एशिया संकट- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

राज्यों की तैयारियों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। इसमें ईरान जंग के बाद बिगड़े हालात पर चर्चा संभव है। चुनावी राज्यों के सीएम इसमें शामिल नहीं होंगे। मोदी ने 24 मार्च को राज्यसभा में कहा था कि ईरान जंग जारी रही तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। आने वाला समय कोरोनाकाल जैसी परीक्षा वाला होगा। केंद्र और राज्य को मिलकर काम करना होगा। वहीं, सरकार ने आज देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी की खबरों को खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि दुनिया में कुछ भी हो जाए, भारत के पास 60 दिन का पेट्रोल, डीजल है। सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रही किल्लत की खबरों को प्रोपेगैंडा बताया है, जिसका मकसद बाजार में पैनिक बाइंग शुरू कराना है। मंत्रालय ने कहा कि शॉर्टेज की अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

भारत के पास 60 दिन का ईंधन

इससे पहले सरकार ने आज नागरिकों को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे।

होटल-रेस्टोरेंट बिल में अलग से नहीं जोड़ सकेंगे एलपीजी चार्ज

होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से 'चार्ज' नहीं ले सकेंगे। केंद्र सरकार ने कहा कि रेस्टोरेंट अपने बिल में खाने की कीमत के अलावा केवल सरकारी टैक्स जोड़ सकेंगे। संकट के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कहा कि होटल-रेस्टोरेंट को अपनी सभी इनपुट कॉस्ट को मेन्यू में दी गई कीमतों में ही शामिल करना होगा। अगर कोई रेस्टोरेंट गैस की बढ़ती कीमतों या किसी अन्य ऑपरेशनल खर्च का हवाला देकर बिल में अलग से चार्ज जोड़ता है, तो यह नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। जांच में पाया गया कि कई होटल-रेस्टोरेंट 'सर्विस चार्ज' रोक को बाईपास करने के लिए नए नाम से चार्ज ले रहे हैं। इसे उपभोक्ता अधिकारों का हनन बताते हुए अथॉरिटी ने सख्त निगरानी और कार्रवाई की बात कही।

दिल्ली-लंदन एअर इंडिया फ्लाइट सऊदी से लौटी

खराबी के बावजूद 7 घंटे हवा में रही विमान को 11 दिन पहले भी डायवर्ट करना पड़ा था

नई दिल्ली। नई दिल्ली से लंदन जा रहा एअर इंडिया का 350-900 विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौट आया। यह करीब सात घंटे हवा में रहा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, विमान ने सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। करीब चार घंटे बाद सऊदी अरब के एयरस्पेस में विमान को लौटाने का फैसला लिया गया। विमान लगभग सात घंटे हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे वापस दिल्ली पहुंचा। सूत्रों के अनुसार, उड़ान के दौरान विमान में अजीब आवाजें सुनी गईं। हालांकि, एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि एहतियातन विमान को वापस लौटाया गया। दिल्ली में इसकी जांच की जा रही है। यात्रियों को जल्द लंदन पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।तब न्यूयॉर्क से दिल्ली आते समय फ्लाइट को आयरलैंड के शैनन शहर की ओर डायवर्ट करना पड़ा था।

सीजफायर खत्म होते ही भारी गोलाबारी

अफगान-पाक बॉर्डर पर फिर भड़की जंग...दो नागरिकों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

ईद-उल-फितर के मौके पर घोषित अस्थायी युद्धविराम खत्म होते ही बुधवार को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर भीषण संघर्ष शुरू हो गया है। पूर्वी अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में हुई इस गोलाबारी में कम से कम दो नागरिकों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के सूचना विभाग के निदेशक जियाउर रहमान स्पीनघर के अनुसार, युद्धविराम की अवधि समाप्त होते ही पाकिस्तानी सेना ने नाई और सरकानो जिलों में दर्जनों आर्टिलरी गोले दागे। इस हमले में दो आम नागरिकों की जान चली गई और आठ अन्य घायल हो गए। जवाब में अफगान सीमा सुरक्षा बलों ने भी पलटवार किया। तालिबान अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान की तीन सैन्य चौकियों को तबाह कर दिया है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। हालांकि, इन दावों की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं पाकिस्तान की सेना की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के एक स्थानीय अधिकारी ने अफगान बलों पर कई क्षेत्रों में पहले गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया है। यह हिंसा उस समझौते के ठीक एक हफ्ते बाद हुई है, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और कतर की मध्यस्थता के बाद दोनों पक्ष शत्रुता रोकने पर सहमत हुए थे।

इंजीनियर को कार से कुचलकर मार डाला...

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में पेंटहाउस किराए पर देने के विवाद में एक शख्स ने कार से एक महिला को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक महिला का नाम शंपा पाठक पांडे है। वह इंफोसिस में सॉफ्टेवयर इंजीनियर थीं। 13 मार्च को दो बच्चों और पति के साथ अपने फ्लैट में शिफ्ट हुई थीं। घटना बुधवार रात 10.30 बजे लसूड़िया थाना क्षेत्र के एमआर-11 स्थित शिव वाटिका टाउनशिप की है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी शख्स और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है। अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले सौरभ पांडे ने बताया कि बुधवार रात को बिल्डिंग के नीचे शोर हो रहा था। यह सुनकर हम नीचे गए। कुछ देर में मारपीट होने लगी। इस बीच पेंटहाउस के मालिक का बेटा 60-70 की स्पीड में कार लाया।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा...बस-ट्रक में भीषण भिड़ंत के बाद जिंदा जल गए 14 लोग

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में गुरुवार की सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। रायवरम के पास क्वारी क्षेत्र के निकट हरिकृष्णा ट्रेवल्स की एक प्राइवेट बस ने टिपर ट्रक से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में तुरंत आग लग गई और बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। इस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत हो गई, जिनमें कई यात्री जिंदा जल गए। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरा जताते हुए अधिकारियों से घायलों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने हादसे के कारणों की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि मार्कापुरम जिले के रायावरम के पास खदानों के समीप बुधवार की देर रात एक निजी बस और टिपर ट्रक में भीषण टक्कर की सूचना मिली थी। पुलिस के अनुसार, बस तेलंगाना के निर्मल से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर की ओर जा रही थी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों के इलाज में कोई कमी न छोड़ी जाए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। प्रशासन को पूरी घटना की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, हरिकृष्णा ट्रैवल्स की एक निजी बस करीब 40 यात्रियों को लेकर हैदराबाद से पामुर की ओर जा रही थी। तभी चिमाकुर्थी से बजरी (गिट्टी) लादकर आ रहे एक तेज रफ्तार टिपर ट्रक ने बस को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई और पलट गई। पलटने के साथ ही बस के फ्यूल टैंक में धमाका हुआ और पूरी बस आग का गोला बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग इतनी तेजी से फैली कि चीख-पुकार मच गई, लेकिन कई लोग बाहर नहीं निकल सके।

हताहतों का विवरण और बचाव कार्य

इस दुखद घटना में अब तक 14 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। हादसे में घायल हुए 30 से अधिक लोगों में से 20 की स्थिति अत्यंत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें नजदीकी बड़े अस्पतालों में रेफर किया गया है। शेष 12 लोगों का इलाज स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में चल रहा है। पुलिस का अंदेशा है कि गंभीर रूप से झुलसे यात्रियों की संख्या को देखते हुए मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। मृतक मुख्य रूप से कनिगिरी और पामुर इलाके के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मार्कापुरम पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस और ट्रक दोनों ही कंकाल में तब्दील हो चुके थे। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस के पहुँचने से पहले घायलों को बस से बाहर निकालने में पुलिस की मदद की।

रामनवमी पर पूरे दिन खुला रहेगा राम मंदिर

अयोध्या: रामलला को छह क्विंटल पंजीरी का लगेगा भोग

नई दिल्ली (एजेंसी)

रामनवमी के पावन अवसर पर इस वर्ष श्री राम जन्मभूमि मंदिर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। राम जन्मोत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु सहजता से दर्शन कर सकें। इस दिन राम मंदिर पूरे दिन खुला रहेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि रामनवमी के दिन प्रातः 6:30 बजे से अनुष्ठान शुरू होकर सुबह 11:00 बजे तक चलेंगे।

इस विशेष दिन मंदिर के कपाट पूरे दिन खुले रहेंगे और उन्हें बंद नहीं किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें। आवश्यकता पड़ने पर दर्शन की अवधि को और बढ़ाया भी जा सकता है। दोपहर ठीक 12:00 बजे भगवान रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान सूर्य की किरणें भगवान के मस्तक पर पड़कर दिव्य 'सूर्य तिलक' का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करेंगी। पूरे आयोजन का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी किया जाएगा, ताकि देश दुनिया के श्रद्धालु भी इस अलौकिक क्षण के साक्षी बन सकें।

रामलला की आकर्षक फूल बंगला झांकी भी सजाई जाएगी

रामलला को इस अवसर पर करीब छह क्विंटल पंजीरी का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। साथ ही मंदिर परिसर में इन दिनों 'बधाई गान' का आयोजन लगातार चल रहा है, जिससे भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। जन्मोत्सव के दिन राम परिवार के दरबार में भी बधाई गान होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन पथ पर मैट बिछाए जाएंगे और जहां कैनोपी नहीं है, वहां छाया की विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा रामलला की आकर्षक फूल बंगला झांकी भी सजाई जाएगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। शाम होते ही मंदिर का शिखर भव्य फसाड लाइटिंग से जगमगा उठेगा, जिससे पूरा परिसर दिव्य और आलौकिक आभा से भर जाएगा। रामनवमी के इस भव्य आयोजन को लेकर अयोध्या नगरी में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिल रहा है।

हनुमान जयंती पर होगा हनुमान मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि रामनवमी तक सूर्य, गणेश, शिव और दुर्गा मंदिर पर के शिखर पर ध्वजारोहण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। यह सारे आयोजन सीमित स्तर पर होंगे। दो अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन हनुमान मंदिर और शेषावतार मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा। इस आयोजन में 50 से अधिक मेहमानों का आमंत्रित किया जा रहा है।

कांग्रेस समेत चार राष्ट्रीय दलों के कुल चंदे से 1000 प्रतिशत ज्यादा बीजेपी को मिला

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में देश के प्रमुख राजनीतिक दलों की चंदे से हुई कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। भाजपा एक बार फिर देश में सबसे ज्यादा चंदा पाने वाली पार्टी के तौर पर उभरी है। वहीं, दूसरा नंबर कांग्रेस का है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारत के पहले नंबर के राजनीतिक दल और दूसरे नंबर के राजनीतिक दल के तरफ से जुटाए गए चंदे के बीच का दायरा करीब 12 गुना से ज्यादा है। यह आंकड़ा इसलिए भी आश्चर्य में डालने वाला है, क्योंकि भाजपा के पास कांग्रेस के मुकाबले सिर्फ दोगुने दानकर्ता ही हैं। यानी साफ तौर पर भाजपा को मिलने वाला चंदा बड़ी राशियों का है।

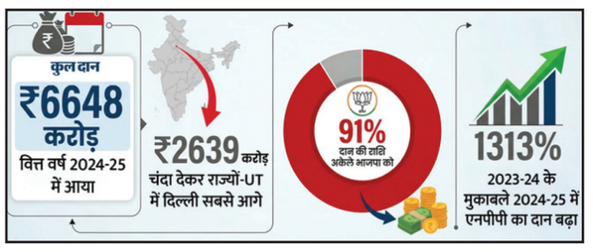

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): देशभर में राजनीतिक दलों को जितना चंदा मिला, उसकी कुल राशि में 91 फीसदी से ज्यादा भाजपा को ही मिली। भाजपा ने 2024-25 के लिए 6074.015 करोड़ रुपये का दान दिखाया है। उसे यह दान 5522 दानदाताओं के जरिए मिला। यह राशि भाजपा के बाद चंदा जुटाने वाले चार राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से 10 गुना से भी अधिक है।

कांग्रेस: कांग्रेस ने अपना दान 517.394 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 2501 दानकर्ताओं से मिला है। कांग्रेस को मिली यह राशि भाजपा के मुकाबले करीब 1000 प्रतिशत कम है।

आम आदमी पार्टी (आप): आप ने 2024-25 के लिए अपनी दान की राशि 38.106 करोड़ रुपये दर्शायी है, जो कि उसे 2554 दानकर्ताओं की तरफ से मिली।

सच्ची भक्ति में जीवन का आनंद व शांति छिपी हुई है : राजगुरु बद्री प्रपन्नाचार्य

नगर संवाददाता, सतना।

ग्राम परसवारा में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस अत्यंत भव्य, भावपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। पूरे पंडाल में 'राधे-राधे' और 'जय श्री कृष्ण' के जयकारों की मधुर गूंज सुनाई देती रही। पूज्य श्री श्री 1008 श्री राजगुरु स्वामी बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज के श्रीमुख से दिव्य कथा का रसपान भक्तों को करा रहे हैं महाराज जी ने भगवान श्री कृष्णा की लीलाओं का अत्यंत सुंदर वर्णन करते हुए भक्ति, प्रेम और समर्पण का महत्व समझाया।जिसने पूरे वातावरण को और भी आनंदमय बना दिया। भक्ति संगीत, भजन और मधुर प्रस्तुतियों ने सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ऐसा लग रहा था मानो पूरा ब्रज का माहौल रंग गया और वातावरण भगवान की भक्ति में डूब गया भक्तजन देर रात तक इस संगीतमय भक्ति रस में लीन होकर भगवान का गुणगान करते रहे। महाराज जी ने कथा बताया कि सच्ची भक्ति में ही जीवन का वास्तविक आनंद और शांति छिपी है। मुख्य रूप से विधायक नागेंद्र सिंह सुधीर सिंह तोमर राजभान सिंहभूपेंद्र सिंह सुरेंद्र सिंह संजय सिंह नरेंद्र सिंह गजेंद्र सिंह पुनीत सिंह अप्पू अग्रवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

[पर्व] श्रीराम शोभायात्रा मार्ग में आज होगा नगर संपर्क अभियान, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि देंगे घर-घर आमंत्रण

संत कंवर रैली के साथ राम जागरण यात्राओं का समापन

नगर संवाददाता, सतना।

हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव के 22वें वर्ष के अंतर्गत श्री राम जागरण यात्राओं का समापन आज संत कंवर रैली के साथ भव्य रूप से हुआ। टीएमडी उत्सव हॉल, सिंधी कैंप से प्रारंभ हुई यह यात्रा इंडस्ट्रियल एरिया सहित नगर के पूर्वी क्षेत्र में भ्रमण करते हुए उत्सव पैलेस में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में भगवा ध्वज लहराते रामभक्तों की टोली और जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया। रैली का शुभारंभ मनोहर धाम के संत बाबा संतोखदास ने भगवा ध्वज दिखाकर किया।

शक्ति केंद्र प्रभारी मनोहर डिगवानी के अनुसार सांसद

निवास पर उमेश प्रताप सिंह लाला, अर्जुन दास आहूजा, राकेश डोला सोनी, डॉ. दीपक सोई, मधु बाल्मिक, बनर्जी परिवार सहित अनेक नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर रामभक्तों का अभिनंदन किया। समिति सदस्य सुनील सेनानी कारा ने बताया कि रैली का नेतृत्व कमलजीत सिंह सेठी, लखनलाल केशरवानी, चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, उत्तम बनर्जी, राजेश द्विवेदी, रमाकांत मिश्र, प्रदीप ताम्रकार, सागर गुप्ता, त्रिलोकी नाथ केसरवानी, अशोक सिंह, सुनील मिश्रा, सचिन गुप्ता, विनोद गेलानी, कृष्णकुमार गुप्ता, उत्तम बाल्मीकि, अभय मुनि, देवेंद्र सतनामी, संजय वाधवानी, अनिल मोटवानी, अनिल सचदेवा, अशोक खानेचा, मनीष टेकवानी, सुरेश वाशानी, दिलीप सोनी, अनिल झुलवानी, देवेंद्र सत्यवानी, अरुण पांडेय, मगनलाल वाल्मीकि, सुरेन्द्र जायसवाल मुन्नू श्याम लाल गुप्ता श्यामू अनुराग गोस्वामी इंजी राकेश रैकवार सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने किया।

आज शाम निकलेगा नगर संपर्क अभियान

व्यापारिक प्रतिष्ठानों में वितरित होंगे आमंत्रण पत्र समन्वय संयोजन समिति सदस्य जितेंद्र जैन एवं शोभायात्रा प्रभारी हरिओम गुप्ता ने जानकारी दी कि गुरुवार शाम 5.00 बजे श्री रामदरबार शक्ति केंद्र के अंतर्गत नगर के सभी व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधि जयस्तंभ चौक स्थित कम्युनिटी हॉल के पास एकत्रित होंगे। यहां से वे शोभायात्रा मार्ग में पैदल भ्रमण कर दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में आमंत्रण पत्र वितरित करेंगे और आगामी शोभायात्रा को भव्य, गरिमामयी एवं ऐतिहासिक बनाने का आह्वान करेंगे। इस दौरान समिति के वरिष्ठ सदस्य इंजी. रमेश जैन, रामअवतार चमड़िया, कमलजीत सिंह सेठी, सतीश सुखेजा सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवं मातृशक्ति भी सहभागिता करेंगी।

गर्भगृह में विशेष पूजन, श्रद्धालुओं के साथ भेदभाव : प्रभात

नगर संवाददाता, सतना।

चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान मां शारदा धाम में व्हीआईपी दर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस पूरे मामले को लेकर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने प्रशासन और व्यवस्था पर तीखा आरोप लगाया है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति, मैहर द्वारा 17 मार्च 2026 को जारी आधिकारिक पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि 19 मार्च से 27 मार्च

कि कोई भी विशिष्ट व्यक्ति व्हीआईपी दर्शन की मांग न करे और मेला व्यवस्था में सहयोग प्रदान करे,लेकिन इसके विपरीत जो स्थिति सामने आई है, वह आदेशों की अवहेलना को दर्शाती है। वीडियो में साफ दिख रहा है पूरा घटनाक्रम कि प्रदेश की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने भारी भीड़ के बीच गर्भगृह के अंदर बैठकर लंबे समय तक पूजा-अर्चना की जबकि उसी दौरान हजारों श्रद्धालु घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिन पर भाजपा ने जिला अस्पताल में किया फल वितरण

नगर संवाददाता, सतना।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष पं भगवती प्रसाद पांडे के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सतना में मरीजों को फल वितरित किए गए। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित किये गए कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के प्रत्येक वार्ड में पहुंच कर मरीजों को फल वितरित कर मुख्यमंत्री के यशस्वी जीवन की कामना की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष पं भगवती पांडे ने राजधानी भोपाल पहुंच कर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि सेवा की भावना, संकल्प की शक्ति के साथ समर्पित मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव

हर कदम पर मध्यप्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। जिला चिकित्सालय में आयोजित फल वितरण कायक्र म में राजेश चतुर्वेदी पालन, जिला उपाध्यक्ष ममता पाण्डेय, मुरारी सोनी, रामपाल यादव, बालेन्द्र गौतम, जिला महामंत्री मधु बाल्मीक, जिला मंत्री राकेश सोनी डोला, चन्द्रभान कुशवाहा, जिला कार्यालय मंत्री सुनील सोनानी, जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी प्रीती रैकवार, विजय तिवारी, मनीषा सिंह, सौभाग्य केशरी, संजय अग्रवाल, प्रसून मिश्रा, अतुल श्रीवास्तव, नारायण तिवारी, सौरभ सिंह सोमू, हेमन्त पाण्डेय, संतोष सेन, शारदा चैरसिया, संजू मिश्रा, विवेक यादव, सुशील गर्ग, दीपक कुशवाहा, अमित सोनी, विवेक सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी केकार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंच तीर्थ की यात्रा के बाद जागा सतना का सौभाग्य, जैन मुनियों का नगर में मंगल प्रवेश आज

नगर संवाददाता, सतना।

महावीर दिगंबर जैन पारमार्थिक संस्था सतना के अध्यक्ष राहुल जैन व मंत्री संदीप जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री नेमीश्वर धाम विद्या ज्योतिर्मय तीर्थ दिगंबर जैन मंदिर सतना में पूज्य 108 आचार्य विद्यासागर महाराज से दीक्षित एवं पूज्य 108 आचार्य समय सागर जी के संघस्थ निर्यापक श्रमण परम पूज्य 108 समता सागर महा मुनिराज एवं मुनि श्री 108 पवित्र सागर महाराज का ससंघ का मंगल प्रवेश 26 मार्च गुरूवार को सतना में 28 वर्षों बाद होने जा रहा है। पूज्य मुनि संघ के सानिध्य में परम पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर जी महामुनि राज का आचार्य पदारोहण दिवस,रामनवमी,महावीर

जयंती एवं पूज्य मुनि श्री 108 पवित्र सागर जी मुनिराज का दीक्षा दिवस मनाया जाएगा मुनि संघ की भव्य आगवानी को लेकर पूरी समाज में जबरदस्त उत्साह का वातावरण है। नगर के चौराहों पर तोरणद्वार लगायें जा रहे हैं। पूज्य मुनि संघ की आगवानी सुबह 7 बजे सर्किट हाउस चौराहे पर सतना में विराजमान 47 वंदनीय आर्यिका माताओं द्वारा की जायेगी तत्पश्चात पूज्य मुनि संघ को भव्य शोभायात्रा जुलूस के रूप में सर्किट हाउस चौराहे से ग्रीन टाकीज हास्पिटल चौक से पन्नीलाल चौक होते हुए दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचेगी शोभा यात्रा को भव्य रूप देने के लिए रोहित जैन विपिन सिंघई अभिनव जैन अपनी पूरी टीम के साथ दिन-रात लगे हुए हैं।

शोभा यात्रा में होगा चलित रक्तदान

सिन्धु विकास समिति निकालेगी अनूठी झांकी

नगर संवाददाता, सतना।

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही सिन्धु विकास समिति एक बार फिर अनोखी पलह करने जा रही है आगामी 27 मार्च को श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित शोभा यात्रा में समिति द्वारा चलित रक्तदान पर आधारित विशेष झांकी निकाली जाएगी जो लोगों को मानव सेवा के प्रति जागरूक करेगी। झांकी को सफलता पूर्वक आयोजित करने के लिए संत मोतीराम आश्रम के भाई प्रह्लाद जी के अतिथि एवं संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी महामंत्री घनश्याम मंघरानी की उपस्थिति में 24 मार्च को ओम प्लाजा में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि इस झांकी का मुख्य उद्देश्य समाज मे रक्तदान के महत्व को समझाना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित करना है झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि रक्त,दान जीवन,दान है इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

महामंत्री घनश्याम मंघरानी बताया इस दौरान चलित रक्तदान की व्यवस्था भी आकर्षण का केंद्र रहेगी जहां इच्छुक लोग मौके पर ही रक्तदान कर सकेंगे समिति के सहयोगी बसंत शर्मा आशीष मोगिया ने बताया कि इस पहल से विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को आगे आकर रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। समाज सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और इस प्रकार की नवाचार पहल से लोगों में भी जागरूकता बढ़ेगी समिति परिवार ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे शोभा यात्रा में शामिल होकर इस अभियान को सफल बनाए और जरूरत मंदों की सहायता के लिए आगे आए। यह झांकी निश्चित रूप से शोभा यात्रा का प्रमुख आकर्षण बनेगी और समाज में सेवा समर्पण और मानवता का संदेश फैलाएगी।

बैठक में प्रमुख रूप से भाई प्रह्लाद जी विनोद गेलानी घनश्याम मंघरानी बसंत शर्मा आशीष मोंगिया संरवत लालवानी 6सर्वा8 अनिल मोटवानी आकाश बनर्जी अमित घोघवानी हीरु सिंह बंसी नागदेव ब्लड बैंक से एल के वर्मा 6पिंटू8 एवं आशीष तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एकेएस में एग्रीफेस्ट का औपचारिक शुभारंभ

कृषि नवाचार, सतत विकास व औद्योगिकरण पर केंद्रित विमर्श

नगर संवाददाता, सतना।

ए.के.एस. यूनिवर्सिटी, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से प्रत्यायित है, में एग्रीफेस्ट 2026 का औपचारिक शुभारंभ गरिमामय एवं अकादमिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन कृषि विज्ञान, प्रौद्योगिकी नवाचार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा सतत कृषि विकास की अवधारणाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरा।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य आतिथ्य प्रो-चांसलर इंजीनियर अनंत कुमार सोनी एवं कुलपति प्रो.(डॉ.) बी.ए. चोपड़े की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. डॉ. शेखर कुमार मिश्रा (परीक्षा नियंत्रक एवं डीन

अकादमिक), प्रो.डॉ.ए.के. भौमिक (डीन, फास्ट), प्रतिकुलपति डॉ. हर्षवर्धन श्रीवास्तव तथा डॉ.नीरज वर्मा (अध्यक्ष, कृषि विभाग) की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक समृद्ध किया। इस अवसर पर प्रो-चांसलर अनंत कुमार सोनी ने कहा, 'एग्रीफेस्ट जैसे आयोजन कृषि शिक्षा को नवाचार, उद्यमिता एवं सतत विकास की दिशा में व्यवहारिक रूप से आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं। ' अतिथियों के स्वागत की व्यवस्था डॉ. एस.के. पांडे, आर.सी. त्रिपाठी, डॉ. डूमर सिंह, डॉ. वी.डी. द्विवेदी एवं श्री अयोध्या प्रसाद पांडे द्वारा की गई। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ डॉ. रमा शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा सरस्वती पूजन के साथ हुआ, जिसने कार्यक्रम को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आधार प्रदान किया। एग्रीफेस्ट के अंतर्गत आयोजित विविध गतिविधियों ने कृषि शिक्षा के व्यावहारिक एवं अनुप्रयुक्त आयामों को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया। कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने रंगोली, मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. वीरेंद्र विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में ग्रामीण जीवन, कृषि परंपराओं एवं लोक संस्कृति का सृजनात्मक प्रस्तुतीकरण इन माध्यमों से किया गया।

भारतीय ब्राह्मण कल्याण महासंघ की वार्षिक आमसभा 29 मार्च को

सतना। भारतीय ब्राह्मण कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की वार्षिक आमसभा ब्राम्हण भवन, परशुराम धाम डिलौरा बाई पास सतना में 29 मार्च को दोपहर 2.30 बजे से शायं 5.30 बजे तक आयोजित की गयी है आमसभा के मुख्य अतिथि पं. गुलाब शुक्ला जी उद्योगपति मैनेजिंग डायरेक्टर अभय सीएनजी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती दीपा मिश्रा अध्यक्ष नगर पंचायत न्यू रामनगर जिला मैहर, पं.विनीत पाण्डेय जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि अमरपाटन जिला मैहर एवं डॉ.मनोज दुबे एनबीबीएस, डीएनबी आर्थो सतना होंगें। वार्षिक आमसभा में वार्षिक प्रतिवेदन एवं सत्र 2025-26 का आय-व्यय बजट तथा आगानी वर्ष का प्रस्तावित बजट प्रस्तुत किया जायेगा तथा प्रतिवेदन एवं बजट पर चर्चा कर उसे पारित किया जायेगा।

अग्रवाल समाज द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर 28 मार्च को

नगर संवाददाता, सतना।

अग्रवाल समाज सतना द्वारा श्री सदुरु सेवा संघ चित्रकूट जानकीकुंड के संयुक्त तत्वाधान मे 28 मार्च शनिवार को निःशुल्क नेत्र शिविर अमृत वाटिका सतना आयोजित हैं। प्रतिमाह होने वाला नेत्र शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक समाजसेवी घनश्याम दास गोयल के संयोजक एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा।

नेत्र शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच कर नजर के चश्मे के नंबर का निर्धारण किया जाएगा एवं दवाइयां प्रदान की जाएंगी. आयोजक मंडल के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि यह नेत्र शिविर पिछले 20 वर्षों से प्रतिमाह जारी है। शिविर में जो मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित होंगे उन्हें निःशुल्क ऑपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण हेतु भर्ती कर श्री सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट पहुंचाया जाएगा।

रक्तदान से बची मासूम की जान, सतीश सुखेजा बने मिसाल

सतना। नवरात्रि के दौरान जिला अस्पताल में भर्ती एक मासूम कन्या के लिए क्रॉपॉजिटिव रक्त की जरूरत पर राष्ट्रीय सामाजिक संस्था जिए सिंध सेवा संगम की अपील सोशल मीडिया पर सामने आई थी। अपील पढ़कर जायंट्स क्लब के मार्ग दर्शक, भारतीय सिंधु सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विंध्य चेम्बर आफ़ कामर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा जो स्वयं आज व्रत में थे मानवता की मिसाल कायम करते हुए वे तुरंत आगे आए और रक्तदान कर बच्ची की जान बचाई, उनके साथ में भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री राकेश सोनी, विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष डॉ दीपक सोई, जिए सिंध सेवा संगम के जिला अध्यक्ष संजय आहूजा, विंध्य चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के मंत्री हरिओम गुप्ता, जिला सिंधी महापंचायत के मंत्री दिलीप सोनी उपस्थित रहे। यह पहल मानवता और सेवा की प्रेरणादायक मिसाल बनी।

भारतीय ज्ञान परंपरा व ज्योतिष के वैज्ञानिक आधार पर डा.त्रिपाठी ने दिया विशेष व्याख्यान

ब्रम्हाण्ड के साथ तालमेल बिठाकर जीना सिखाता है ज्योतिष शास्त्र

नगर संवाददाता, सतना।

शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे भोज सम्मान सेसम्मानित प्रख्यात कथाव्यास एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी ने भारतीय मनीषा और विज्ञान के अंतर्संबंधों पर विस्तृत प्रकाश डाला। अपने संबोधन में डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं है,

बल्कि यह एक अत्यंत उन्नत और तार्किक जीवन पद्धति है। उन्होंने ज्योतिष शास्त्र को वेदां चक्षु (वेदों की आंखें) बताते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय ऋषियों ने हजारों वर्ष पूर्व ग्रहों की चाल, ग्रहण और खगोलीय घटनाओं की जो गणना की थी, वह आज के आधुनिक विज्ञान के मापदंडों पर भी खरी उतरती है। डॉ. त्रिपाठी ने समझाया कि भारतीय काल गणना ब्रह्मांड की विशालता को समझने का सबसे सटीक माध्यम है। उन्होंने सूर्य और चंद्रमा के मानव मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से रेखांकित किया। मुख्य अतिथि ने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें।

पाठ्यक्रम और शिक्षण का हिस्सा बनाना समय की मांग: डॉ. राय

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश चन्द्र राय ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम और शिक्षण का हिस्सा बनाना समय की मांग है। उन्होंने डॉ. त्रिपाठी के ज्ञान और उनकी सरल व्याख्या शैली की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के प्रभारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। व्याख्यान के दौरान महाविद्यालय का सभागार प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति से खचाखच भरा रहा। अंत में उपस्थित छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी मुख्य वक्ता द्वारा किया गया।

रामोत्सव के सप्तम् दिवस, राममय हुआ खोवा मंडी परिसर

नगर संवाददाता, सतना।

विहिप द्वारा आयोजित रामोत्सव कार्यक्रम के सातवे दिवस मर्यादा पुरुषोत्तम राम की आरती करने पहुंचे सतना के प्रथम नागरिक महापौर योगेश कुमार ताम्रकर जेल अधीक्षक लीना कोस्टा सहित शहर के सभी गाडमान्य नागरिकों ने सतना को राम मय किया खोवा मंडी परिसर विहिप रामोत्सव कार्यक्रम निरंतर विगत कई वर्षों से करता आ रहा है जिसमें प्रत्येक दिन नित्य नए-नए कार्यक्रम किए जाते हैं जिसमें आज भगत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस अवसर स डी एम बीके मिश्र सिटी कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र द्विवेदी संजय साह प्रदीप कश्यप बैकुंठ तिवारी पृथ्वी आयेलनी पवन पांडे सहित सैकड़ो गड़ममान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

समाज कार्य में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण पर व्याख्यान आयोजित

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के समाज कार्य विभाग द्वारा समाज कार्य में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण विषय पर प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्प अर्पण से हुई। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ए.के.श्रीवास्तव, रिटायर्ड प्राध्यापक, मनोविज्ञान विभाग रीवा म.प्र.उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. शाहेदा सिद्दीकी प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग उपस्थित रही। मुख्य वक्ता डॉ. ए.के.श्रीवास्तव ने समाज कार्य में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण पर व्याख्यान देते हुए कहा कि समाज कार्य एक अनुप्रयोगात्मक विज्ञान है। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति को दैनिक जीवन के उदाहरण देकर समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण हमें यह समझने में मदद करता है कि व्यक्ति कैसे सोचता है, कैसा महसूस करता है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। आज के समय में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में समाज कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह लोगों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाए। समाज कार्य विभाग की डॉ. गुंजन सिंह ने इस व्याख्यान का संचालन किया तथा आभार प्रदर्शन समाज कार्य के छात्र अंकित पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोगी के रूप में योगेश निगम उपस्थित रहे।

बालिका अंडर-15 क्रिकेट खिलाड़ियों के चयन का ट्रायल 27,28 को

रीवा। 2026-27 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम के चयन हेतु मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा प्रदेश के सभी क्रिकेट संभागों में बालिका क्रिकेट खिलाड़ी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । इसी श्रंखला में 26 एवं 27 मार्च 2026 को रीवा संभाग हेतु ट्रायल आयोजित होगा । उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव अनुराग सेठी के द्वारा बताया गया कि चूंकि अंडर-15 आयु वर्ग हेतु खिलाड़ियों का चयन किया जाना है।

संगठन की विशिष्ट विचारधारा व कार्य पद्धति हमें अन्य दलों से अलग बनाती है: योगेंद्र शुक्ला

- प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और निष्ठा का भाव जागृत करना: राजेंद्र पांडे

रीवा, नगर संवाददाता।

दीनदयाल प्रशिक्षण महा अभियान के तहत सूरा मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण कदैला के.सी एसटी भवन में आयोजित किया गया जिसका समापन सत्रबुधवार को सुबह 10 बजे से आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता योगेंद्र शुक्ला ने कहा कि प्रशिक्षण से न केवल कार्यकर्ताओं का व्यक्तित्व उभरता है, बल्कि संगठन को भी शक्ति और दिशा मिलती है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को सिर्फ पार्टी के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करना होगा। भाजपा की विशिष्ट विचारधारा और मजबूत कार्य पद्धति ही हमें अन्य दलों से अलग बनाती है। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे उमरिया जिला संगठन प्रभारी राजेंद्र पांडे ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य सिर्फ प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और निष्ठा का संचार करना है, जिससे वे संगठन के विकास में अपना योगदान और अधिक प्रभावी ढंग से दे सकें। भाजपा नेता अखिलेश पांडे ने कहा कि प्रशिक्षण वर्गों में कार्यकर्ताओं को भाजपा की विचारधारा, कार्यपद्धति, संगठनात्मक नीतियां और जनसंपर्क के महत्वपूर्ण आयामों पर गहन जानकारी दी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यकर्ता समाज में प्रभावी ढंग से कार्य करें और संगठन को और भी सशक्त बनाने में अपना योगदान दें। पूर्व जिला महामंत्री रामजी प्रजापति ने कहा कि भाजपा ने हमेशा अपनी विचारधारा को प्राथमिकता दी है कार्यशाला का उद्देश्य सिर्फ प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और निष्ठा का संचार करना है। आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का समापन सामूहिक राष्ट्रगानके साथ हुआ कार्यक्रम में वीरेंद्र द्विवेदी अनीता तिवारी लालज़ी शुक्ला बृजेश पांडे शहित मंडल पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाठशाला पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने विद्यालय को किया गौरान्वित

रीवा, नगर संवाददाता।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र.बोर्ड के पांचवी कक्षा के परीक्षा परिणाम में विद्यालय के कक्षा पांचवी की आर्या साहू ने 93 प्रतिशत, अनन्या साहू और अंश रजक ने 87.5 प्रतिशत, दीपिका रंजन तिवारी ने 85 प्रतिशत, दिव्यांशु यादव ने 77.5 प्रतिशत नरायण मिश्रा ने 85 प्रतिशत, रोशनी मल्लाह ने 81 प्रतिशत, स्त्रिया कुमारी राव ने 89 प्रतिशत, यश कुशवाहा ने 84.5 प्रतिशत, सौमित्र मिश्रा ने 83 प्रतिात, उधवदत्त दुबे ने 82 प्रतिशत, रुद्रवीर सिंह ने 74 प्रतिशत अंक प्राप्त किया तो वहीं कक्षा आठवीं में शिवी शुक्ला ने 93.5 प्रतिशत, अपूर्वा विश्वकर्मा ने 86 प्रतिशत, हिमेन्द्र तिवारी ने 85 प्रतिशत, कृष्णा सिंह ने 74.3 प्रतिशत, जासमीन कोर ने 74 प्रतिशत और मानवी चौरसिया ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरान्वित किया। प्राचार्य सारिका गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया जिससे विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय प्राचार्य एवं प्रबंधन द्वारा उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी एवं सभी शिक्षकों के सही मार्गदर्शन और उचित शिक्षण के लिए धन्यवाद दिया।

लॉ कालेज में शुरू हुआ छः दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर

रीवा, नगर संवाददाता।

शासकीय ला महाविद्यालय रीवा में छः दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन हुआ यह शिविर 23 मार्च से 28 मार्च 2026 तक नियमित रूप से सुबह 7 से 8 तथा सायं कालीन 4 से 5 में शिविर होगा। जिसमें योगाचार्य राकेश चौहान सूक्ष्म अभ्यास आसन प्राणायाम तथा आसनों के द्वारा हम किस प्रकार से स्वस्थ और निरोगी बन सकते हैं इस पर जानकारी भी देंगे साथ ही महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर योगेंद्र तिवारी के निर्देश अनुसार महाविद्यालय के अलावा समस्त अन्य शैक्षणिक संस्थाओं की विद्यार्थी स्टाफ भी इस योग प्रशिक्षण शिविर का लाभ ले सकते हैं यह पूर्णता निशुल्क है। योग प्रभारी डॉक्टर राहुल शर्मा द्वारा बताया गया कि विद्यार्थी नियमित योग का अभ्यास कर रहे हैं और अपने जीवन को स्वस्थ और निरोगी बना रहे हैं।

लोस, विस की संख्या बढ़ाना देश पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने जैसा: राजमणि

रीवा, नगर संवाददाता।

देश की आधी आबादी महिलाओं को लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा मे 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के नाम पर लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा की सीटें बढ़ाना देश पर अनावश्यक आर्थिक बोझा डालने जैसा है। उक्त आशय का बयान जारी करते हुये कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल ने केन्द्र सरकार के इस कदम पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि लोकसभा और विधानसभा की सीटें बढ़ाने की बजाय शिक्षकों और चिकित्सकों की संख्या बढ़ानी चाहिये ताकि भारत के आम आदमी को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा तथा नौनिहालों को बेहतर शिक्षा मिल सके। श्री पटेल ने कहा कि शहरी क्षेत्र मे हजार लोगों पर एक डॉक्टर है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों मे तकरीबन 25 से 30 हजार के आबादी के बीच मे एक डॉक्टर है। उन्होने कहा कि 80 फीसदी से अधिक डॉक्टर शहरों मे निवास करते हैं। श्री पटेल ने कहा कि सरकार की नियत अगर महिला आरक्षण के प्रति पाक-साफ है तो वर्तमान सीटों मे ही आरक्षण लागू करना चाहिये। उन्होने यह भी कहा कि परिसीमन करके सीटे बढ़ाने के बजाये विकासखण्डों, जनपदों तथा तहसीलों की सीमाओं का पुर्ननिर्धारण करना चाहिये, जिससे जन सामान्य की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सके। श्री पटेल ने बताया कि लोकसभा की 263 और राज्यसभा की 87 सीटें बढ़ने से 24 करोड़ रूपये मासिक आर्थिक बोझ बढ़ेगा और इससे जनता को कोई बुनियादी लाभ नही है। श्री पटेल ने कहा कि महिला आरक्षण मे अनुसूचित जाति एवं जनजाति की तरह पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिये।

पचमठा धाम में बिहार आरती आयोजित, 51 कन्याओं का पूजन

रीवा, नगर संवाददाता।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर पचमठा धाम में भक्तों द्वारा बिहार आरती की गयी। इस अवसर पर महिलाओं ने विशेष रूप से भाग लिया उसके उसके पश्चात 51 कन्याओं का पूजन मातृशक्ति द्वारा किया गया। इसमें प्रमुख रूप से शशि गुप्ता ,कलावती गुप्ता,वंदना गुप्ता ,रेवा मिश्रा,भावना खरे,एकता गुप्ता,मीनल पंसारी,वर्षा गुप्ता,राशि सिंह , मोनू खंडेलवाल,रजनी गुप्ता कल्पना श्रीवास्तव अंजू मिश्रा उर्वशी गुप्ता लक्ष्मी गुप्ता पूनम पांडे गुड्डन अग्रवाल लक्ष्मी गुप्ता सीमा श्रीवास्तव द्वारा कन्याओं का पूजन एवं प्रसाद वितरण किया एवं उनका उपहार स्वरूप भेंट किया,इसके पश्चात मां के भक्तों द्वारा शहर के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया उसमें प्रमुख रूप से पचमठा धाम के स्वामी ब्रह्मचारी,पूर्व संयुक्त संचालक डॉ राजेश मिश्रा संजय गांधी के अधीक्षक राहुल मिश्रा वरिष्ठ समाज समाजसेवी महेंद्र सराफ साई मंदिर के पुजारी मनसुख जी एवं राम दरबार के अध्यक्ष अरुण मिश्रा सभी सम्मानित साल और श्रीफल स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया गया। मां के भक्तों द्वारा विशाल देवी जागरण का भी आयोजन किया गया,साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था।

काली पट्टी बांधकर पेंशनरों ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन एवं पेंशनर हित रक्षक विद्युत् विभाग द्वारा संयुक्त ज्ञापन प्रधामंत्री के नाम पर कलेक्टर रीवा को दिया गया हैं जिसमे आठवे वेतनमान पर पेंशनर समाज के साथ अन्याय नहीं किया जाये और अपना वैधता अधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग की गयी हैं। एसोसिएशन के संभा. अध्यक्ष डॉ. अशोक चतुर्वेदी एवं हित रक्षक संगठन विद्युत के जिला अध्यक्ष आदित्य प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व मे उनके संगठन के पदाधिकारी एवं सक्रिय साथी भारी संख्या मे कलेक्ट्रेट मे नारा लगाते हुये मौजूद रहे। इस दौरान सुशील तिवारी विद्याकांत तिवारी डॉ. आर. पी. उपाध्याय. जी. पी. त्रिपाठी, वीरेंद्र पाल सिंह, रमेश कुमार द्विवेदी. सुभाष चंद्र दुबे,गणेश द्विवेदी, डॉ. अब्दुल्ला खान, राम भिलाश दुबे,आर. के शुक्ला, अनिल सिंह तिवारी, वैद्यनाथ नामदेव, एस. एन. पटेल सूर्यपाल दाहिया, एस. पी. तिवारी, उग्रभान विस्वकर्मा, कमलेश पाण्डेय उग्रसेन पटेल आदि उपस्थित रहे।

गैस गोदाम में वितरित हो रहे सिलेंडर पर होम डिलीवरी दाम वसूलना गलतः अजय खरे

रीवा, नगर संवाददाता।

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, मध्य प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ईमेल ज्ञापन भेजकर घरेलू ईंधन गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक आपूर्ति के दामों और बुकिंग समयावधि में वृध्दि और वज़न में 30ग्र कटौती की बात को वापस लिए जाने के साथ मध्यप्रदेश के रीवा जिले की ईंधन गैस वितरण व्यवस्था सही कर गैस सिलेंडर की घर-घर आपूर्ति कराने का आग्रह किया है। श्री खरे ने कहा कि ईंधन गैस कंपनियों ने मध्य पूर्व एशिया युद्ध की शुरुआत से ही 14.2 किलोग्राम वाले ईंधन गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपए की वृद्धि कर आम आदमी की अत्यंत महत्वपूर्ण जरूरत पर अनावश्यक बोझ लाद दिया है। इसके अलावा ईंधन गैस सिलेंडर बुकिंग की समयावधि भी 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई। ग्रामीण क्षेत्र में इसे 45 दिन कर दिया गया । इधर पता चला कि सिलेंडर में दी जा रही ईंधन गैस के वजन को 14.2 किलो से घटाकर मात्र 10 किलो किया जा रहा है। खाना पकाने के गैस सिलेंडर की बुकिंग समयावधि में वृध्दि और फिर उसमें भरे जाने वाली गैस के वजन में लगभग 30ग्र की कटौती सरासर ग़लत है। उन्होंने कहा कि खाना पकाने वाली गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कटौती भोजन के अधिकार को छीनना है। श्री खरे ने कहा कि मध्य प्रदेश के संभागीय मुख्यालय रीवा शहर की ईंधन गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी बुरी तरह प्रभावित नजर आ रही है।

1 अप्रैल को मनाएं राष्ट्रीय काला दिवसः शिव सिंह

रीवा, नगर संवाददाता।

किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महासचिव मोर्चे के नेता एडवोकेट शिव सिंह ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चे के राष्ट्रीय आवाहन को लेकर चार श्रम संहिताओं, मनरेगा कानून को बदलने, बीज विधेयक 2025, बिजली विधेयक 2025, भारत अमेरिकी व्यापार डील, आदि कानूनों के विरोध में तथा एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने सहित तमाम राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर आगामी 1 अप्रैल को देशभर में किसान मजदूर राष्ट्रीय काला दिवस मनाएंगे। शिव सिंह ने आरएसएस बीजेपी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार के खिलाफ किसानों मजदूरों के साथ-साथ देश के आवाम से भी एकजुट होने की अपील की है।

अंतर जिला महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

रीवा ने मैहर को 105 रनों से पराजित कर दर्ज की पहली जीत

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने निदेशानुसार रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व मे 25 मार्च से आरंभ हुई अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता (महिला अंडर-18) के अंतर्गत एमपीसीए क्रिकेट मैदान मे खेले गये मैच में मेजबान रीवा की टीम ने मैहर को 105 रनों के विशाल अंतर से शिकस्त देते हुये पहली जीत दर्ज की है। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव देवेश शुक्ला के द्वारा बताया गया कि टास रीवा की टीम ने जीता व पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया । रीवा ने निर्धारित 40 ओवरों में 6 विकेट खोकर 184 रन बना सकी । रीवा की ओर से कप्तान दीप्ति सिंह ने सर्वाधिक 37 रन बनाये उनके अतिरिक्त सृष्टि सिंह ने 21 रन व वैष्णवी मंडलोई ने 21 नाटआउट रन बनाये । जीत के लिये मिला 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैहर की टीम 31 वे ओवर में 79 रनो पर सिमट गयी । मैहर की ओर सेसर्वाधिक 30 रन अंशिका पाण्डेय ने बनाये। रीवा की ओर से दीप्ति सिंह , ऊर्वी

सतना ने सीधी को 42 रनों से धोया ,अंशिका एवं सिद्धी ने बनाये शतक

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के मैदान रीवा में सतना एवं सीधी के बीच खेले गये मैच में बल्लेबाजों का बोलबाला रहा था तथा रनों की खूब बारिश हुयी । रोमांचक मैच मे सतना की टीम ने 42 रनों से जीत दर्ज की । इस मैच में टास जीतकर सीधी की टीम ने पहले सतना को बल्लेबाजी करने का आमंत्रण दिया जिसका पूरा फायदा सतना की बल्लेबाजों ने उठाया । सतना ने निर्धारित 40 ओवरों में 1 विकेट खोकर 298 रनों का विशाल स्कोरबनाया । सिद्धी सिंह ने 116 गेंदों में नाबाद 111 रन बनाये वही अंशिका सिंह ने भी शानदार 103 रन बनाये । जीत के लिये मिले 299 रनों के विशल लक्ष्य के समाने प्रियांशी मालवीय की जबरदस्त बल्लेबाजी ने मैच कों रोमांचक बना दिया। सीधी की टीम ने 257 रन बना पायी तथा सतना ने 42 रनो से रोमांचक जीत दर्ज की। प्रियांशी मालवीय ने जोरदार बल्लेबाजी करते हुये 76 गेंदों में बेहतरीन 95 रनों की पारी खेली जबकि अवाक्षी चौहान ने 36 रन एवं प्रिया सिंह ने 23 रनों की उपयोगी पारियॉ खेलीं । सतना की ओर से ज्योत्सना पाण्डेय , खुशी गर्ग एवं सिद्धी सिंह ने 2-2 विकेट लिये ।

अमर योद्धाओं डॉ. लोहिया, भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु को जन संगठनों ने याद किया

रीवा, नगर संवाददाता।

समाजवादी चिंतक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती और अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के शहादत दिवस पर स्थानीय पूनम जनमासा नेहरूनगर में ताम्रपत्रधारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ओंकार नाथ खरे जनशताब्दी वर्ष व्याख्यान माला अंतर्गत नारी चेतना मंच, समता सम्पर्क अभियान समाजवादी कार्यकर्ता समूह एवं विंध्यांचल जन आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार संगोष्ठी संपन्न हुई। अध्यक्षता अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त सहायक कुलसचिव दल प्रताप सिंह तिवारी ने की। संचालन डॉ श्रद्धा सिंह ने किया। कार्यक्रम में देश के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए संघर्ष करने वाले वीर सपूतों को याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान जन गण मन सामूहिक रूप से गाया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डीपीएस तिवारी ने कहा कि 23 मार्च का दिन काफी महत्वपूर्ण है। 23 मार्च 1910 को डॉ लोहिया ने जन्म लिया था और 23 मार्च 1931 को भगत सिंह सुखदेव राजगुरु देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूले। भगत सिंह की शहादत के बाद डॉ लोहिया ने अपना जन्मदिन नहीं मनाया। आज लोहिया और भगत सिंह को वैचारिक आधार पर याद किया जा रहा है। संगोष्ठी को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि भगत सिंह और डॉ लोहिया समाजवादी वैचारिक धरातल के महान चिंतक और क्रांतिकारी थे। भगत सिंह ने क्रांतिकारी आंदोलन को मजबूत किया। उनके द्वारा असेंबली में फेंके गए बम का उद्देश्य किसी की जान लेना नहीं बल्कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ जोरदार धमाका करना था। लोकतंत्र सेनानी बृहस्पति सिंह ने कहा कि देश की आजादी के लिए भगत सिंह और डॉ लोहिया का महान योगदान था। कार्यक्रम में श्रवण प्रसाद नामदेव,डा प्रकाश तिवारी, डॉ श्रद्धा सिंह,ओमप्रकाश द्विवेदी, शेषमणि शुक्ला, अशोक सोनी,नारी चेतना मंच की नेत्री प्रेमवती शर्मा, गीता महंत, इतवरिया चंदेल, प्रेम नाथ जायसवाल, दीपक द्विवेदी, विवेक पाण्डेय की उपस्थिति रही।

17वां साधारण सम्मिलन आज

रीवा। नगर पालिक निगम, रीवा का 17वॉ साधारण सम्मिलन 26 मार्च 2026 को समय पूर्वान्ह 11:30 बजे नगर निगम स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय की अध्यक्षता में नगर पालिक निगम रीवा स्थित परिषद सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। साधारण सम्मिलन में विभिन्न एजेंडो पर चर्चा उपरांत निर्णय लिया जावेगा।

संपादकीय

क्या उल्टा पड़ गया ट्रंप कार्ड

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल के साथ ईरान के खिलाफ जंग शुरू करने से पहले ये नहीं सोचा होगा कि ये युद्ध इतना लंबा चलेगा। 28 फरवरी को शुरू हुआ यह संघर्ष चौथे हफ्ते में प्रवेश कर गया है। अब ट्रंप एक ऐसे संकट का सामना कर रहे हैं जो उनके हाथों से निकलता दिख रहा है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि विश्व में ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं, अमेरिका अपने सहयोगी देशों से अलग-थलग पड़ गया और तो और ट्रंप ने कहा था कि यह एक छोटा अभियान होगा लेकिन इसके बावजूद अभी और सैनिक तैनात करने की तैयारी चल रही है। गत शुक्रवार को उन्होंने बयान दिया कि यह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है। लेकिन ईरान जिस तरह से हमलों का जवाब दे रहा है, खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस की आपूर्ति को बाधित कर रहा है और साथ ही पूरे क्षेत्र में मिसाइल अटैक भी कर रहा है, यह बयान असलियत से मेल नहीं खाता। अब ऐसा लगता है कि जिस संघर्ष को शुरू करने में उन्होंने मदद की थी, उसके न तो नतीजों पर और न ही उसके संदेश पर उनका कोई नियंत्रण है। बाहर निकलने की कोई स्पष्ट रणनीति न होने से उनकी राष्ट्रपति के तौर पर विरासत और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य, दोनों के लिए जोखिम पैदा हो गया है। खासकर तब, जब रिपब्लिकन पार्टी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में कांग्रेस में अपनी मामूली बहुमत वाली सीटों को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही प्रशासनों के लिए मिडिल-ईस्ट के पूर्व वार्ताकार रहे एरॉन डेविड मिलर का कहना है कि ट्रंप ने अपने लिए ईरान युद्ध नाम का एक ऐसा जाल बुन लिया है, जिससे उन्हें यह समझ नहीं आ रहा कि बाहर कैसे निकला जाए? यही उनकी हताशा का सबसे बड़ा कारण है। पिछले एक हफ्ते के दौरान कूटनीतिक, सैन्य और राजनीतिक रूप से ट्रंप की सत्ता की सीमाएं पूरी तरह से स्पष्ट होकर सामने आ गईं। पिछले दिनों विदेशी साझेदारों द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित करने में मदद के लिए अपनी नौसेनाएं तैनात करने के प्रस्ताव का विरोध किए जाने से व्हाइट हाउस के अधिकारी भी अचंभित रह गए। बहरहाल, राष्ट्रपति ट्रंप यह नहीं चाहते कि वे अलग-थलग पड़ते हुए दिखें, इसलिए व्हाइट हाउस के कुछ सहयोगियों ने ट्रंप को सलाह दी है कि वे जल्द से जल्द कोई निकलने का रास्ता तलाशें और सैन्य अभियान के दायरे को सीमित करें। ट्रंप अब 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में एक ऐसे दोराहे पर खड़े हैं, जहां यह साफ नहीं है कि वे कौन-सा रास्ता चुनेंगे। वह पूरी ताकत झोंककर अमेरिका के हमले को और तेज कर सकते हैं। लेकिन ऐसा करने से एक लंबे समय तक चलने वाली सैन्य प्रतिबद्धता का जोखिम पैदा हो जाएगा, जिसका अमेरिकी जनता बड़े पैमाने पर विरोध करेगी। चूंकि दोनों ही पक्ष अभी बातचीत से इनकार कर रहे हैं। ऐसे में ट्रंप अपनी जीत का ऐलान करके पीछे भी हट सकते हैं। ऐसा करने से खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देश उनसे नाराज हो सकते हैं, क्योंकि उनके सामने एक घायल दुश्मन ईरान रह जाएगा। एक ऐसा ईरान जो अभी भी एक साधारण परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकता है और खाड़ी क्षेत्र में जहाजरानी पर अपना नियंत्रण बनाए रख सकता है। गौरतलब बात यह भी है कि अगर गैस की कीमतें लगातार बढ़ती रहीं और अमेरिकी सैनिकों को तैनात किया गया तो आने वाले हफ्तों में ट्रंप का नियंत्रण कमजोर पड़ सकता है। जैसे-जैसे यह संघर्ष लंबा खिंचता गया है, इस बात के संकेत बढ़ते जा रहे हैं कि ट्रंप इस बात से हताश हैं कि वे इस पूरे घटनाक्रम पर अपना नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं।

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलत: सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

विश्व युद्ध की संभावनाएं...!

अशोक राणा
सेवा निवृत्त उप पुलिस अधीक्षक

ईरान और अन्य वैश्विक व क्षेत्रीय शक्तियों के मध्य तनाव पूर्व से ही व्याप्त था जो मुख्यत: अमेरिका-इज़रायल और ईरान के मध्य था,जिसमें मौजूदा सालों में महत्त्वपूर्ण एवं आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई ...जिसके प्रमुख कारण परमाणु शक्ति की महत्वाकांक्षा और परोक्ष-अपरोक्ष संघर्ष ही कहे जा सकते हैं।अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की मुख्य वजह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, मिसाइल क्षमता को नष्ट करना और क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों विशेषकर इज़राइल की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा ।

जून 2025 में अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच 13 जून से 24 जून 2025 का 12-दिवसीय एक बडा सैन्य संघर्ष हुआ जिसका उद्देश्य ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करना था।13 जून 2025 को इज़राइल द्वारा ऑपरेशन राइजिंग लायन सैन्य एंव परमाणु ठिकानों पर हमला किया गया।14 से 20 जून 2025 तक ईरान द्वारा ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस के अनुसार हमला किया गया।21 एंव 22 जून 2025 तक अमेरिका का ऑपरेशन मिडनाइट हैमर शुरू हुआ और इसके फलस्वरूप नतांज, फोरदो और इस्फ़हान पर बमबारी की गई।अन्ततः 24 जून 2025 को अमेरिका की मध्यस्थता में युद्धविराम लागू हुआ।

सीज फायर होने के पश्चात 28 फ़रवरी 2026 को अमेरिका ने ईरान पर हमला कर महा युद्ध का शंखनाद कर दिया ,संयुक्त राष्ट्र अमेरिका-इज़रायल द्वय द्वारा यह युद्ध ईरान के विरूद्ध नहीं बल्कि मानवता और सभ्यता के खिलाफ था।अमेरिका और इज़राइल ने संयुक्त रूप से ईरानी सैन्य ठिकानों और नेतृत्व पर हमले शुरू कर दिए, जो क्षेत्र में भू-राजनीतिक वर्चस्व की एक गहरी लड़ाई का हिस्सा बन गए।

युद्ध की विभीषिकाएँ शुरू हो गई...

दूरदर्शन पर अधिकांशत: युद्ध और युद्ध के कारण हो रही बर्बादियों को ही प्रसारित प्रचारित किया जा रहा है ...चारों ओर तबाही के ख़ौफ़नाक मंजर नज़र आने लगे हैं ...इंसानियत शर्मसार होने लगी हैं ...अवैध कमाई की प्रत्याशा में महंगाई समानुपात में बढ़ने लगी रही है ...ईरान में 170 स्कूली बच्चों के मारे जाने की दुखद और हृदय विदारक घटना की सूचना ने मानवीय संवेदनाओं को बुरी तरह से झकझोर दिया,...किसको

किससे कितना लाभ हुआ यह प्रश्न अनुत्तरित है...।

28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ यह महायुद्ध अभी जारी है जिसकी शुरुआत अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों और नेतृत्व को निशाना बनाने के कारण हुई। 28 फरवरी 2025 को अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर लगभग 900 हवाई हमले किए। शुरुआती हमलों में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मृत्यु हो गई। 1 से 3 मार्च तक ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इज़राइल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे। 4 मार्च को नाटो ने तुर्की के पास एक ईरानी मिसाइल को मार गिराया। 6 व 7 मार्च तक युद्ध पूरे मध्य पूर्व में फैल गया। अमेरिका ने ईरान के रक्षा ढांचे पर हमले जारी रखे।8 मार्च को मुज्तबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया।10 मार्च को अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा और भी तीव्र हमलों की चेतावनी दी गई ।12 मार्च को ईरान ने जवाबी कार्रवाई में तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे से हमले जारी रखे।वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ गईं।13 मार्च को अमेरिका ने घोषणा की कि उसने अब तक ईरान में लगभग 6,000 लक्ष्यों पर हमला किया है।15 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति ने खार्ग द्वीप जो ईरान का प्रमुख तेल केंद्र है पर हमले के संकेत दिए। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और खतरनाक मोड़ लेता दिख रहा है। युद्ध को 22 दिन हो गए हैं,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि ईरान के साथ कोई सीजफायर नहीं होगा और सैन्य अभियान जारी रहेगा।

कौरव और पांडवों के बीच कुरूक्षेत्र में महाभारत का युद्ध 18 दिनों तक चला था और युद्ध में पांडवों ने भगवान कृष्ण के मार्गदर्शन में विजय श्री का वरण किया पर युद्ध के परिणाम स्वरूप भारी जनहानि हुई ...युद्ध में दुर्योधन सहित सभी कौरव बंधु मारे गए थे...युद्ध के बाद हस्तिनापुर में महिलाएँ और बच्चे ही शेष रह गए थे।युद्ध कोई भी हो उसके परिणाम जन-धन की हानि के रूप में ही होते हैं जिसकी कोई भरपाई नहीं है ।

महाभारत युद्ध और श्री कृष्ण के देहावसान के बाद, अर्जुन द्वारिका गए और यदुवंशी महिलाओं व बच्चों को सुरक्षित हस्तिनापुर ले आए।शोक और निशक्तता के कारण इस दौरान उन्होंने अपनी शक्ति और %गांडीव% धनुष की कार्यक्षमता खो दी थी, जिसके कारण वे भील डाकुओं से महिलाओं की रक्षा नहीं कर पाए थे।अर्जुन के जिस गांडीव धनुष की टंकार से सारा विश्व कंपायमान हो जाता था उसे वो उठा तक नहीं पाए ... सब समय की बलिहारी है..सन्दर्भित घटना को गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे के माध्यम से लेख किया गया है जो समय की सर्वोच्च शक्ति को दर्शाता है -

पुरुष बली नहीं होत है, समय होत बलवान,
भीलन लूटी गोपिका, वही अर्जुन वही बाण

अमेरिका और ईरान के मध्य के बीच का यह महायुद्ध कब तक चलेगा और क्या यह विश्व युद्ध में तब्दील हो जाएगा यह तो आगत के गर्भ में छिपा है पर 22 दिनो के पश्चात अमेरिकन राष्ट्रपति 79 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप अकेले,निराश और थके हुए नजर आ रहे हैं । परमात्मा उन्हें सदबुद्धि दे। सीज फायर हो जाए और महाविनाश को टाला जा सके।ना जाने कितने बेकसूर इस महायुद्ध में ज़मींदोज़ हुए होंगे।

खुदा-ए-बरतर, तेरी ज़मीं पर
ज़मीं के बदले , ये जंग क्यों है
हर एक फ़तह-ओ-ज़फ़र के दामन पे
ख़ून-ए-इन्सान का रंग क्यूँ है।

ईंधन की कमी से जूझ रही दुनिया, हर देश के सामने संकट, पाबंदियों के चलते जनता बेहाल

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में बिगड़ते हालात के चलते दुनिया एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है जहां तेल केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि सत्ता, रणनीति और अस्तित्व का सवाल बन चुका है। ताजा हालात बता रहे हैं कि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने देशों को झकझोर कर रख दिया है। ऑस्ट्रेलिया में कीमतें करीब बत्तीस प्रतिशत उछलीं, पाकिस्तान में पच्चीस प्रतिशत और अमेरिका में चौबीस प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी ने साफ कर दिया है कि यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैश्विक अस्थिरता का संकेत है। जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन से लेकर जापान तक हर देश इस आग में झुलस रहा है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरकारें अब सीधे जनता की जिंदगी में दखल दे रही हैं। पाकिस्तान में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए, चार दिन का कार्य सप्ताह लागू किया गया और सरकारी कर्मचारियों के लिए आधा काम घर से करने का आदेश जारी हुआ। गैर जरूरी सरकारी वाहनों को सड़कों से हटाया गया और ईंधन आवंटन में पचास प्रतिशत कटौती कर दी गई। यह कदम साफ दिखाता है कि संकट कितना गहरा है। श्रीलंका ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया। स्कूल, विश्वविद्यालय और गैर जरूरी दफ्तर बंद कर दिए गए। क्यूआर आधारित ईंधन पास फिर से लागू कर दिया गया, जिसमें निजी वाहनों के लिए साप्ताहिक सीमा तय कर दी गई। यह व्यवस्था बताती है कि सरकारें अब संसाधनों को नियंत्रित करने के लिए तकनीक का सहारा ले रही हैं। बांग्लादेश में विश्वविद्यालय और कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए और ऑनलाइन शिक्षा लागू की गई। पांच घंटे की बिजली कटौती ने आम जीवन को झकझोर दिया है। उर्वरक संयंत्र तक बंद करने पड़े, जिससे कृषि और खाद्य सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। भूटान में जमाखोरी रोकने के लिए जरी कैन में ईंधन बिक्री पर रोक लगा दी गई और आपात सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। फिलीपींस और वियतनाम में भी हालात काबू से बाहर जाते दिख रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिन का कार्य सप्ताह और निजी क्षेत्र को घर से काम करने की सलाह दी गई है। गैर जरूरी यात्राओं पर रोक लगाकर सरकारें साफ संकेत दे रही हैं कि अब हर बूंद की कीमत है। अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में संकट और भयावह है। म्यांमार ने निजी वाहनों के लिए विषम सम प्रणाली लागू कर दी। कंबोडिया में हजारों पेट्रोल पंप बंद हो गए। लाओस में सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम और रोटेटिंग शिफ्ट लागू की गईं ताकि आवागमन कम हो। दक्षिण अफ्रीका में नियंत्रित आवंटन लागू हो चुका है, जबकि मिस्र में बाजार, रेस्तरां और सरकारी दफ्तरों के समय सीमित कर दिए गए और रोशनी वाले विज्ञापन बंद कर दिए गए। वहीं केन्या ने ईंधन राशनिंग और निर्यात पर प्रभावी रोक लगा दी है। न्यूजीलैंड में हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं और हजारों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। स्लोवाकिया और स्लोवेनिया जैसे यूरोपीय देशों में भी डीजल खरीद पर सीमा तय कर दी गई है। इस तरह यह संकट अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले चुका है। देखा जाये तो यह तेल संकट केवल कीमतों का खेल नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का नया अध्याय है। ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण रखने वाले देश अब निर्णायक बढ़त हासिल कर रहे हैं। जो देश आत्मनिर्भर नहीं हैं, वे नीतिगत गुलामी की ओर बढ़ रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम, राशनिंग और आवागमन पर नियंत्रण जैसे कदम बताते हैं कि सरकारें अब युद्धकालीन नीतियों को शांतिकाल में लागू कर रही हैं। इसके अलावा, यह संकट आने वाले समय में कई बड़े बदलावों का संकेत दे रहा है। एक तो, ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्र बनेगी। इसके अलावा, डिजिटल निगरानी और संसाधन नियंत्रण बढ़ेगा, जिससे नागरिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, आपूर्ति श्रृंखला टूटने से खाद्य संकट और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। सबसे अहम बात यह है कि यह संकट देशों को मजबूर कर रहा है कि वह वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ें। लेकिन जब तक यह बदलाव पूरी तरह नहीं होता, तब तक जनता को कड़े प्रतिबंध और कठिन फैसलों का सामना करना ही होगा। बहरहाल, तेल संकट ने दुनिया को आईना दिखा दिया है। यह साफ है कि आने वाले समय में ऊर्जा ही असली शक्ति होगी। सरकारें जितनी जल्दी इस सच्चाई को समझेंगी, उतना ही बेहतर होगा। लेकिन फिलहाल, हालात यह कहते हैं कि दुनिया एक लंबे संघर्ष की ओर बढ़ रही है, जहां हर देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

उत्तर कोरिया: दिखावटी चुनाव में तानाशाह की फिर बल्ले-बल्ले

डॉ. रमेश ठाकुर

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने ना कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंन का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हाँ में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है। ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी। लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है।

वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं। इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत

वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब है कि किम जोंग उन की 'वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया' लंबे समय से देश पर जबरिया काबिज है। भविष्य में उम्मीद भी नहीं दिखती, कि उन्हें या उनके पारिवारिक सदस्यों को कोई सत्ता से हटा भी पाएगा? क्योंकि उन्होंने व्यवस्था ही ऐसी बना रखी है। चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे।

मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या ना कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कईयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। ब्लादीन पुतिन भी अपने जीते-जी सत्ता से नहीं हट सकते। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्रध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (NIPCCD), भारत सरकार!

प्रदेश को विकसित बना रहे मुख्यमंत्रीः महेंद्र यादव

नारायण वृद्ध आश्रम में कराया भोजन

इस मौके पर नारायण वृद्ध आश्रम में वृद्धजनों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लिया गया। बीज विकास निगम के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, साडा के पूर्व अध्यक्ष जय सिंह कुशवाहा ,पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, कार्यक्रम संयोजक मुरारी लाल मित्तल, सत्यपाल सिंह जादौन, पार्षद मोहित जाट, विनय जैन, प्रदीप मुदगल, नारायण प्रजापति, सचिन पचौरी, संध्या गुप्ता, मधुसूदन भदौरिया, राघवेंद्र सिंह कुशवाह, राजेश भदौरिया, घनश्याम कुशवाह, मुकेश परिहार, जीतेन्द्र तोमर, दिनेश गुप्ता, विनोद पवैया, चेतन मंडलोई, रत्नमणि जोशी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

■मोहन यादव के जन्मदिन पर रोपे 61 पौधे

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को बेला की बावड़ी स्थित परमार्थ आश्रम में 61 फलदार पौधों का रोपण किया गया । इस मौके पर आश्रम के समर्थ तीर्थ महाराज, बीज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, इंदौर के प्रभारी राजेश सोलंकी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व सभापति राकेश माहौर, मधुसूदन भदौरिया, कार्यक्रम संयोजक मुरारीलाल मित्तल, पार्षद घनश्याम कुशवाहा, मुकेश परिहार, नारायण प्रजापति, चेतन मंडलोई, दिनेश रावत, विनोद पवैया, जितेंद्र गौतम, सचिन पचौरी इत्यादि ने पौधरोपण किया ।

इस अवसर पर बीज विकास निगम के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि डॉ. मोहन यादव राजनीति में पीएचडी हैं लेकिन मुझे लगता है कि वह हर विषय के पीएचडी हैं। प्रदेश के इतिहास में किसानों के लिए इतना बजट कभी नहीं रहा। वे प्रदेश की हर विधानसभा में जा रहे हैं, सिर्फ 25 विधानसभा बची हैं उनमें भी वे शीघ्र पहुंचेंगे। वह प्रदेश को विकसित कर रहे हैं। राजेश सोलंकी, कमल माखीजानी ने भी विचार रखे। संचालन विवेक भार्गव ने किया।

आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

भाजपा कार्यकर्ताओं ने महाराज महाराज बाड़ा पर आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जन्मदिन मनाया। मुख्य अतिथि जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति ने मुख्यमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर किक्की पंडित, डालचंद वर्मा, हर्षित शर्मा, याकूब खान, शैलेंद्र तोमर, जय सिंह सैंगर, राहुल भोला, पीयूष खोयकर, सतीश (चुम्मन), सोमनाथ, बंटी, कल्लू, इकबाल, संदीप भदौरिया, सुनील भदौरिया, गब्बर खान, लव राठौर, भूरा, राजेंद्र कुशवाह सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुस्तक मेला शुरू, परेशानी का निराकरण करने हेल्पलाइन नंबर जारी

■10 दिवसीय मेले का जिलाधीश ने किया शुभारंभ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में संचालित विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को सस्ती दर पर किताबें, यूनीफॉर्म व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिए 25 मार्च से 3 अप्रैल तक पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। जिलाधीश रुचिका चौहान ने बुधवार को पुस्तक मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर मेले में लगे सभी स्टॉलों का अवलोकन कर दुकानदारों के साथ मेले में आए अभिभावकों और बच्चों से भी चर्चा की।

जिलाधीश ने अभिभावकों एवं बच्चों से चर्चा करते हुए बताया कि पुस्तक मेले में सीबीएसई, आईईएसई व एमपी बोर्ड से संबंधित सभी निजी स्कूल के पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें, यूनीफॉर्म एवं स्कूल में लगने वाली अन्य सामग्री उपलब्ध कराई गई है। जिलाधीश ने नागरिकों से कहा है कि पुस्तक मेले में विभिन्न काउण्टरों पर निजी स्कूल की किताबें एवं स्टेशनरी उपलब्ध है। अभिभावक मेले में भ्रमण कर अपनी इच्छानुसार दुकान से स्टेशनरी व पुस्तकें खरीद सकते हैं। किसी एक ही दुकान पर पुस्तकें एवं स्टेशनरी उपलब्ध न होकर विभिन्न दुकानों पर उपलब्ध कराई गई हैं। पुस्तक मेले के शुभारंभ अवसर पर अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

हेल्पलाइन नंबर भी जारी

पुस्तक विक्रेताओं एवं स्कूली बच्चों व उनके अभिभावकों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से हेल्पलाईन नंबर भी जारी कराया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कॉर्डिनेटर आईटी सेल अरविंद तोमर (मोबा. 98935-87573) से संपर्क कर पुस्तक मेला के संबंध मे जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। साथ ही पुस्तक मेला के संबंधित समस्याएं भी दर्ज कराई जा सकेंगी।

पुस्तक मेले में पार्किंग की व्यवस्था

प्रशासन द्वारा 25 मार्च से 3 अप्रैल तक आयोजित किए जा रहे पुस्तक मेले में आने वाले छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के लिए मेले में सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। वाहन पार्किंग के लिए भी पृथक से व्यवस्था की गई है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए बुक बैंक

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जरूरतमंद बच्चों को नि :शुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए पुस्तक मेला परिसर में बुक बैंक भी स्थापित किया गया है। ऐसे स्कूली विद्यार्थी जो अपनी पिछली कक्षा की किताबें दान करना चाहते हैं वे बुक बैंक में अपनी किताबें जमा कर सकेंगे। ज्ञात हो पिछली साल बनाए गए बुक बैंक से 700 जरूरतमंद बच्चों ने नि :शुल्क पुस्तकें प्राप्त की थीं।

सभापति ने तीन स्थानों पर वाटर कूलर किए भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर सभापति मनोज तोमर ने अचलेश्वर मंदिर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के पुनर्वास गृह (लॉन्ग स्टे होम) में रह रहे लोगों के लिए तथा कंपू थाना परिसर में आम नागरिकों के उपयोग हेतु आरओ सहित वाटर कूलर भेंट किए। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को अब ठंडा और स्वच्छ पानी आसानी से उपलब्ध होगा, वहीं पुनर्वास गृह में रह रहे लोगों के लिए यह सुविधा राहत लेकर आई है। कंपू थाना परिसर में भी आमजन और पुलिसकर्मियों को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि जनहित के कार्य ही किसी भी जनप्रतिनिधि की वास्तविक पहचान होते हैं। उन्होंने आगे भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्यों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव

■टेरी, सिंधिया स्कूल और जीवाजी विवि ने युवाओं को किया जागरूक

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बुधवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में संभव अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन टेरी, सिंधिया स्कूल एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। डॉ. निमिषा जादौन ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में लिवलीन के. खालोन ने मिशन लाइफ और सिंगल यूज प्लास्टिक के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं अपूर्वा मलिक ने संभव अभियान के अंतर्गत युवाओं में व्यवहारिक बदलाव की आवश्यकता और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर नियंत्रण के लिए केवल नीतियां ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी जरूरी है। इसके साथ ही डॉ. निमिषा जादौन ने सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों और इसके नियंत्रण के लिए अपनाई जा सकने वाली तकनीकों की जानकारी दी। प्रो.डीडी अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने में नीति, शोध और जागरूकता के माध्यम से अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि युवा शक्ति को व्यवहारिक बदलाव के लिए प्रेरित कर ही प्लास्टिक मुक्त समाज का लक्ष्य साकार किया जा सकता है।

रिज्यूमे सरल और स्पष्ट होना चाहिए

■अभियात्रि की संस्थान में रिज्यूमे बिल्डिंग सत्र आयोजित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संस्थान में रिज्यूमे बिल्डिंग विषय पर एक कार्यशाला सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ दर्पण दीक्षित ने विद्यार्थियों को प्रभावी रिज्यूमे तैयार करने के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिज्यूमे ही नियोक्ता पर पहला प्रभाव डालता है, इसलिए इसे सरल, स्पष्ट और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है। एक सुदृढ़ रिज्यूमे न केवल प्रोफेशनल छवि को मजबूत करता है, बल्कि जॉब प्रोफाइल के अनुरूप चयन की संभावना भी बढ़ाता है। सत्र के दौरान छात्रों को अपने शैक्षणिक योग्यता, कौशल एवं अनुभव को आकर्षक और पेशेवर ढंग से प्रस्तुत करने के टिप्स दिए गए, ताकि वे नियोक्ता की अपेक्षाओं पर खरे उतर सकें। विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के रिज्यूमे का मूल्यांकन कर उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कारः झांसी मंडल को 10 शील्ड, 23 रेलकर्मी व 2 अधिकारी सम्मानित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा सूबेदारगंज स्थित भारतीय रेल रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केंद्र में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने की। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी मुदित चंद्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में झांसी मंडल का विशेष प्रदर्शन रहा। मंडल को वाणिज्य, ट्रैक मशीन, समग्र इंजीनियरिंग दक्षता, सामान्य सेवा एवं ऊर्जा दक्षता, समय पालन सुधार, माल भाड़ा परिचालन, स्क्रैप संग्रहण सहित कुल 10 शील्ड प्रदान की गईं। साथ ही महाराजा छत्रसाल स्टेशन, छतरपुर को सर्वोत्तम स्टेशन का प्रमाण पत्र मिला। यांत्रिक विभाग को सर्वोत्तम कोचिंग रैक कप और कारखाना दक्षता व राजभाषा शील्ड भी प्रदान की गई। इसके अलावा झांसी मंडल के 21 रेलकर्मियों और 2 अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक झांसी अनिरुद्ध कुमार सहित विभिन्न मंडलों के अधिकारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि रेल सप्ताह कर्मचारियों के कार्यों के मूल्यांकन और उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करने का अवसर है, जो भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

मानसिक रोगियों का पुनर्वास गृह अब 50 सीटर होगा

■जिलाधीश ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गुड़ीगुढ़ा नाका क्षेत्र में संचालित पुरुष पुनर्वास गृह (लॉन्ग स्टे होम) का विस्तार कर इसकी क्षमता बढ़ाई जा रही है। अब यह केंद्र 50 सीटर बनाया जा रहा है, जिससे अधिक संख्या में मानसिक रूप से स्वस्थ हो चुके लेकिन निराश्रित मरीजों को आश्रय मिल सकेगा।

बुधवार को जिलाधीश रुचिका चौहान ने सामाजिक न्याय विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से संचालित इस केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रह रहे निराश्रितों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिलाधीश ने प्रत्येक कक्ष में घड़ी लगाने, गर्मी को देखते हुए कूलर और बेहतर वेंटिलेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा मच्छरों से बचाव के लिए जालियां लगाने के निर्देश प्रबंधन को दिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जो निवासी मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं, उनके परिजनों का पता लगाकर उन्हें घर वापस भेजने के प्रयास तेज किए जाएं। वर्तमान में इस पुनर्वास गृह में लगभग 15 लोगों को आश्रय दिया गया है, जिसे बढ़ाकर 50 सीटर बनाया जा रहा है। अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। यहां मानसिक रोग चिकित्सालय से रेफर किए गए मरीजों को रखा जाता है। निरीक्षण के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव नवल शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी और सेवाभावी नागरिक मौजूद रहे।

त्रुटिरहित वर्तनी का प्रयोग भाषा का वास्तविक सम्मान : पाण्डे

ग्वालियर। एमएलबी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा अशुद्धि संशोधन के महत्व पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन 25 मार्च को किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दतिया की प्राध्यापक डॉ. प्रतिभा पाण्डे उपस्थित रहीं। उन्होंने अशुद्धि संशोधन के महत्व को बताते हुए उसके प्रकार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अशुद्धि संशोधन का मुख्य उद्देश्य जानकारी को सटीक, विश्वसनीय और त्रुटिहीन बनाना होता है। डॉ. श्रद्धा सक्सेना ने व्याख्यान की भूमिका में कहा कि हिन्दी के किसी भी वाक्य में लिंग, वचन, कारक, संज्ञा, सर्वनाम , विशेषण, पुनरुक्ति और पदक्रम आदि नियमों का पालन कर भाषा को शुद्ध किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साधना दीक्षित ने किया और आभार डॉ. पुष्पलता सिंह ठाकुर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. आरके सिंह, डॉ. साधना दीक्षित, डॉ. विष्णु अग्रवाल,डॉ. पद्मा शर्मा, डॉ. पुष्पलता सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

पर्यटन जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को कॅरियर व विरासत से जोड़ा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान ने सेवार्थ जन कल्याण समिति के सहयोग से शहर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किया। उद्देश्य था विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, विरासत और पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी देना।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान का आधार बताते हुए युवाओं से इससे जुड़ने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ दीक्षित ने पर्यटन क्षेत्र में बढ़ते रोजगार अवसरों पर प्रकाश डाला। समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर बरुआ ने बताया कि ऐसे सत्र विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं। सेवार्थ जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ओपी दीक्षित ने युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने की आवश्यकता बताई। वहीं पुरातत्व विभाग के अधीक्षक एसके राठौर ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। सत्र में होटल प्रबंधन, ट्रैवल गाइड, टूर ऑपरेटर, एयरलाइन, इवेंट मैनेजमेंट और डिजिटल पर्यटन जैसे कॅरियर विकल्पों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मनोज पांडेय, सचिव राकेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मोहन लाल अहिरवार एवं सदस्य अखविंदर जुनेजा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

माधव महाविद्यालय की पूर्वछात्र परिषद ने जीवंत की पुरानी यादें

एसके सिंह, राजेंद्र टेम्बे और दीपक बंसल को मिला कुलभूषण सम्मान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

माधव महाविद्यालय की पूर्वछात्र परिषद द्वारा आयोजित 'समागम 2026' कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने एक बार फिर अपने कॉलेज जीवन की मधुर स्मृतियों को जीवंत किया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले महाविद्यालय के तीन पूर्व छात्रों प्रो. एसके सिंह, पूर्व रणजी खिलाड़ी राजेन्द्र टेम्बे और प्रतिष्ठित व्यवसायी दीपक बंसल को 'कुलभूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं ग्वालियर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राजपूत रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी अशोक शर्मा, अजय जौहरी तथा नगर निगम ग्वालियर के पूर्व उपायुक्त जगदीश अरोड़ा उपस्थित रहे। अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय कार्यपरिषद सदस्य एवं मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो.राजेन्द्र बांदिल ने की।

मुख्य अतिथि रविन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि पूर्व छात्रों का सहयोग महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव को अपनाते हुए समाज और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. राजेन्द्र बांदिल ने कहा कि माधव महाविद्यालय वर्ष 1957 से मूल्य आधारित शिक्षा की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है और पूर्व छात्र परिषद इस विरासत को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने सभी एल्युमिनाई से परिषद से जुड़कर रचनात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा, पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष आकाश अष्ठाना, सचिव देवेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पुनीत बंसल एवं संयोजक डॉ. मनोज अवस्थी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान कई पूर्व छात्रों डॉ. अमित बंसल, मनोज मिश्रा, आशुतोष पालीवाल, सन्नी खान सहित अन्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए महाविद्यालय से जुड़ी यादों को ताजा किया। संचालन डॉ. मनोज अवस्थी और आभार आकाश अष्ठाना ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शक्ति दीदी पहल से महिलाओं को मिल रही नई पहचान, 107 हुईं आत्मनिर्भर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में शक्ति दीदी नवाचार प्रभावी पहल बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप शुरू की गई इस योजना के तहत जरूरतमंद महिलाएं पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलीवरी वर्कर के रूप में कार्य कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। नारी शक्ति के महापर्व नवदुर्गा महोत्सव के दौरान बुधवार को जिले में 6 और महिलाओं को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही अब तक कुल 107 महिलाएं इस पहल से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो चुकी हैं।

जिलाधीश रुचिका चौहान ने काल्पीब्रिज रोड मुरार स्थित एसआर पेट्रोलियम पर मधु, खुशबू और हेमलता को शक्ति दीदी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने तीनों का फूलमालाओं से स्वागत कर जैकेट और पहचान पत्र प्रदान किए। कलेक्टर ने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व निभाएं, प्रशासन और पुलिस हर स्तर पर सहयोग के लिए तत्पर है। पेट्रोल पंप संचालकों को भी निर्देश दिए गए कि महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसी क्रम में वीरपुर स्थित गंगा सर्विस स्टेशन पर मुस्कान, गुड़ीगुढ़ा नाका स्थित इंदु फिलिंग स्टेशन पर शानू खान और अलापुर क्षेत्र में कविता को भी जिम्मेदारी दी गई।

सिटी स्पोर्ट्स

एलिट ग्रुप क्रिकेट में जारी है रोमांचक दौर

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से सीनियर एलिट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट मल्टी डे टुर्नामेंट 2024-25 का आयोजन 09 मार्च से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की विभिन्न 10 टीमें भाग ले रही है। 27 से 30 मार्च श्रृंखला में पहले दिन 4 मैच खेले गए।

अवनीश सिंह धालीवाल ने बनाए 125 रन

बी.एस.पी. ने जांजगीर चांपा के विरुद्ध बनाए 295 रनः ग्रुप ए का सातवां चार दिवसीय मैच बीएसपी एवं जांजगीर चांपा के मध्य राजनांदगांव में खेला गया। बीएसपी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 90 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 295 रन बना लिये हैं। बी.एस.पी. की ओर से वैभव साहु ने सर्वाधिक 89 नाबाद रन बनाये साथ ही संगीत सोनी ने 66 रनों का योगदान दिया। वहीं जांजगीर चांपा की ओर से हर्ष राठौर ने 3 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक बी.एस.पी. ने 5 विकेट पर 295 रन बना लियें है।

बिलासपुर ब्लू के विरुद्ध रायपुर ब्लू के 254 रनः रुप ए का आठवां चार दिवसीय मैच बिलासपुर ब्लू एवं रायपुर ब्लू के मध्य सिविक सेंटर मैदान, भिलाई में खेला गया। रायपुर ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रायपुर ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 89 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 254 रन बना लिये हैं। रायपुर ब्लू की ओर से अवनीश सिंह धालीवाल ने सर्वाधिक 125 रन नाबाद तथा आलोक साहू ने 48 रन बनाये। वहीं बिलासपुर ब्लु की ओर से इम्तियाज खान ने 3 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक रायपुर ब्लू ने 5 विकेट खोकर 254 रन बना लिए हैं।

बिलासपुर के विरुद्ध रायपुर के 319 रनः ग्रुप बी का सातवां चार दिवसीय मैच बिलासपुर एवं रायपुर के मध्य शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में खेला गया। रायपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 81.3 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 319 रन बना लिये हैं। रायपुर की ओर से इयान कॉस्टर ने सर्वाधिक 97 रन नाबाद तथा प्रतीक यादव ने 49 रन बनाये। वहीं बिलासपुर की ओर से मयंक यादव ने 3 विकेट तथा धनंजय नायक ने 2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक रायपुर ने 9 विकेट खोकर 319 रन बना लिये है।

महासमुंद के विरुद्ध प्लेट कंबाइंड 83 रनों से आगे : रुप बी का आठवां चार दिवसीय मैच महासमुंद एवं प्लेट कंबाइंड के मध्य आर डी सी ए मैदान, रायपुर में खेला गया। प्लेट कंबाइंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। महासमुंद ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 37.4 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 121 रन बनाये। महासमुंद की ओर से कृतेश साहु ने सर्वाधिक 74 रन बनाये। वहीं प्लेट कंबाइंड की ओर से रोहन टांक ने 4 विकेट, हर्ष यादव तथा विजय यादव ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक प्लेट कंबाइंड ने अपनी पहली पारी में 46 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 204 रन बना लिये हैं। प्लेट कंबाइंड की ओर से विजय यादव ने नाबाद 48 रन तथा अमित कुमार यादव ने 45 रनों का योगदान दिया। महासमुंद की ओर से हमीद रजा तथा सुधांशु वर्मा ने 2-2 विकेट लिये। पहले दिन की समाप्ति तक प्लेट कंबाइंड 83 रनों से आगे है।

बॉक्सिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रेलवे के खिलाड़ियों को स्वर्ण एवं कांस्य

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 8 वीं एलिट बॉक्सिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप, नोएडा में भारतीय रेलवे की टीम से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीते हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की टीम विजेता रही। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सना माचा, टिकट कम कामर्शियल क्लर्क, बिलासपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि पूनम पूनिया, जूनियर अकाउंट क्लर्क, मुख्यालय बिलासपुर ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इन खिलाड़ियों की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अवसाद से उबरने के बाद सामान्य होना नामुमकिन नहीं

कुछ साइकोलॉजिकल टिप्स अपनाकर आप उबर सकते हैं गंभीर अवसाद से, बढ़ेगा खुद पर भरोसा

एंजायटी यानि चिंतातुर होना और इसके बाद वापस कॉन्फिडेंस पाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन, अवसाद से उबरने के बाद सामान्य होना नामुमकिन नहीं है। इसके लिए एक्सपर्ट के बताए गए ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

एंजायटी एक ह्यूमन रिएक्शन है। इसे हम तब अनुभव करते हैं जब हम तनावपूर्ण स्थितियों का सामना करते हैं। यह आमतौर पर नकारात्मक विचारों के कारण होता है। खासकर आप एंजायटी तब महसूस करते हैं, जब आप किसी परीक्षा को फेस करने वाले हों या फिर कोई दुर्घटना हुई हो।

हालांकि, लंबे समय तक इस समस्या से मन और शरीर को नुकसान हो सकता है। एंजायटी और चिंता की वजह से दैनिक कामकाज में भी दिक्कतें आने लगती हैं। ऐसे में बेहद जरूरी है कि आप इसका सही से इलाज कराएं। कई लोग एंजायटी की वजह से अपना कॉन्फिडेंस भी खो देते हैं। इस परिस्थिति में क्या करना चाहिए, इसके लिए हमने हैदराबाद की आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज की साइकोलॉजिस्ट मृदुल अक्की से बात चीत की। उन्होनें बताया कि कैसे एंजायटी के बाद अपने अंदर आप कॉन्फिडेंस वापस ला सकते हैं।

अपने विचार पैटर्न को चुनौती दें

एक्सपर्ट के अनुसार, अगर आप तनावग्रस्त हैं और इससे बाहर निकलना चाहती हैं, आपको अपनी चिंता को सबसे पहले स्वीकार करना चाहिए। इसे अक्सेप्ट करके आप अपनी परेशानियों को चुनौती दें। आपको अपनी समस्याओं से भागने की जरुरत नहीं है।

इस तरीके से लें गहरी सांस

साइकोलॉजिस्ट के मुताबिक, एंजायटी से छुटकारा और वापस कॉन्फिडेंस पाने के लिए आपको रौजाना लॉन्ग ब्रीद लेनी चाहिए। इसके लिए, हमारे एक्सपर्ट ने 4-7-8 तकनीक के बारे में बताया है। इसके अनुसार, आपको सबसे पहले 4 सेकंड तक के लिए गहरी सांस लेना है। फिर, 7 सेकंड के लिए अपनी सांस रोकें और 8 सेकंड के लिए सांस छोड़ दें। इससे प्रणायाम से आपको काफी हद तक राहत मिलेगी।

अपने ट्रिगर्स को पहचानें और उसपर कंट्रोल बनाएं

आपको अपने अंदर के उन ट्रिगर्स को पहचानना बहुत जरुरी है, जो आपको सबसे ज्यादा परेशान करते हैं। साइकोलॉजिस्ट के अनुसार, ऐसा करने से आपके कॉन्फिडेंस में बदलाव नजर आएगा और आप एंजायटी से जल्दी रिकवरी पा सकते हैं।

नकारात्मक लोगों से बनाएं दूरी

हैदराबाद की एक साइकोलॉजिस्ट के अनुसार, एंजायटी से पीड़ित लोगों को नकारात्मक लोगों से दूरी बनाने में ही फायदा होता है। उनका कहना है कि नकारात्मक लोगों से आपके मन में भी सिर्फ नकारात्मकता आएगी। ऐसे में, आप जल्दी रिकवर नहीं हो पाएंगे।

सामाजिक मेलजोल बढ़ाएं

एक्सपर्ट के अनुसार, एंजायटी से रिकवरी पाने में आपको सोसाइटी से मदद मिलेगी। दरअसल, लोग इस दौरान अकेले और सबसे दूर रहना पसंद करते हैं, जिससे परेशानी और भी ज्यादा बढ़ जाती है। इसके लिए जरुरी है कि आप परिवार और दोस्तों के संपर्क में रहें और अपने विचारों और भावनाओं को साझा करें। इससे आपकी कनेक्टिविटी बढ़ती है और तनाव दूर होता है।

जन्मदिन पर आप भी तो नहीं करते हैं ज्योतिष की ये गलतियां

हर व्यक्ति के लिए उसका जन्मदिन बहुत ही विशेष माना जाता है। इस दिन को यादगार बनाने के लिए वह कई तरह के काम करता है, ताकि शुभ फलों की प्राप्ति हो सके। सभी व्यक्ति के लिए उसका जन्मदिन बहुत ही विशेष होता है। जिसे उत्सव के रूप में पूरे विधि-विधान के साथ मनाया जाता है। इस दिन कई लोग केक काटकर, मोमबत्तियों को बुझाया जाता है और गुब्बारे फोड़े जाते हैं।

वहीं कुछ लोग जन्मदिन के सुअवसर पर दीर्घायु की मंगलकामना के लिए दीपक जलाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पूरे विधि-विधान के साथ जन्मोत्सव मनाने से आयु और आरोग्य की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

अब ऐसे में इस दिन कई ऐसे ज्योतिष नियम हैं, जिन्हें करने की मनाही होती है। जो बहुत ही अशुभ माना जाता है। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं कि जन्मदिन पर किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

जन्मदिन पर तामसिक भोजन का आहार करने से बचें

अक्सर ऐसा होता है कि लोग अपने जन्मदिन पर तामसिक भोजन खाते हैं और जश्न मनाते हैं, लेकिन इस दिन तामसिक भोजन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। इसे बहुत ही अशुभ माना जाता है और व्यक्ति के जीवन में

विभिन्न प्रकार की समस्याएं आने लग जाती है। इसलिए इस दिन तामसिक चीजों से दूर रहें।

जन्मदिन पर शराब पीने से बचें

जन्मदिन पर शराब भूलकर भी नहीं पीना चाहिए। कई लोग अपने जन्मदिन पर मांस-मदिरा का सेवन खूब करते हैं। जो बहुत ही अशुभ माना जाता है। इससे नकारात्मकता का संचार होता है और व्यक्ति को कई तरह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

जन्मदिन पर बाल और नाखून न काटें

जन्मदिन पर नाखुन और बाल भूलकर भी नहीं कटवाना चाहिए। इससे घर में कलह-क्लेश की स्थिति बनती है और सभी देवी-देवता (देवी-देवता मंत्र) भी क्रोधित हो सकते हैं। इसलिए अपने जन्मदिन पर इन बातों का खास ध्यान रखें।

जन्मदिन पर बड़े-बुजुर्ग और साधु का अपमान न करें

जन्मदिन पर बड़े-बुजुर्ग और साधु का अपमान भूलकर भी नहीं करना चाहिए। इससे देवी-देवता नाराज हो सकते हैं और व्यक्ति के कभी सफलता (सफलता मंत्र) की प्राप्ति नहीं हो सकती है। इसलिए अगर आपके घर पर कोई भी आए। उसका आदर सम्मान जरूर करें और दान अवश्य दें। इससे शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

जन्मदिन पर मोमबत्ती न बुझाएं

भारतीय सभ्यता में अग्नि को देवता माना गया है। इसलिए जन्मदिन पर फूंक मारकर मोमबत्ती को न बुझाएं। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है।

लड्डू गोपाल पर चढ़ी तुलसी की मंजरी का करें ऐसे इस्तेमाल

लड्डू गोपाल की पूजा तो बहुत से घरों में होती है। रोजाना लड्डू गोपाल को पूजन के दौरान तुलसी की मंजरी और पत्ती चढ़ाई जाती है। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि चढ़े हुए तुलसी की मंजरी का क्या करें।

लड्डू गोपाल की सेवा तो ज्यादातर हिंदू घरों में होता ही है। लड्डू गोपाल के पूजन से लेकर भोग तक तुलसी के बिना अधूरी है। तुलसी की मंजरी हो या पत्ती भगवान श्री कृष्ण को बहुत प्रिय है। बहुत से जगहों में लड्डू गोपाल को तुलसी की मंजरी और पत्ती से बनी हुई माला पहनाई जाती है। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल आता है कि रोज-रोज जब तुलसी चढ़ाते हैं, तो वह इक्कठा हो जाते है, तो उसे क्या करना चाहिए। भगवान में चढ़े हुए तुलसी की मंजरी को फेंक भी नहीं सकते, नहीं तो उनका अपमान हो सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ तरीके बताएंगे, जिससे आप सम्मानपुर्वक चढ़े हुए तुलसी को दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।

लाल कपड़े में बांधकर लॉकर में रखें

भगवान श्री कृष्ण में चढ़े हुए तुलसी पत्र और मंजरी को इकट्ठा कर लाल कपड़े में बांध लें और उसे अपनी घर के तिजौरी या लॉकर में रखें। भगवान में चढ़ी हुई तुलसी और मंजरी शुभ फलदायी होती है, इससे आपके आवक में वृद्धि हो सकती है।

इकट्ठा कर दोबारा इस्तेमाल करें

सर्दियों और गर्मियों में मौसम के बदलाव के कारण ज्यादा तुलसी के मंजरी और पत्ते नहीं मिलते। ऐसे में आप चढ़े हुए तुलसी के पत्तों और मंजरी को किसी डिब्बे में स्टोर करें, फिर उसे तुलसी की

मंजरीऔर पत्ते न होने पर भगवान को स्नान और भोग लगाने के लिए फिर से इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रसाद में डालने के लिए इस्तेमाल करें

तुलसी के मंजरी और पत्ते का उपयोग आप प्रसाद में डालने या फिर किसी को कुछ दान कर रहे हैं, तो उसके लिए फिर से इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा रविवार और एकादशीके दिन आप चढ़े हुए तुलसी के मंजरी और पत्ते को पूजा के लिए दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।

मंजरी के बीज निकालकर पौधा लगाएं

चढ़े हुए मंजरी को सुखाकर उसे मिट्टी में डालकर दूसरा नया पौधा बनाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। मंजरी यदी पकी हुई है, तो उससे आसानी से नया पौधा तैयार हो जाएगा।

चढ़े हुए तुलसी के पत्ते और मंजरी का उपयोग आप खाने के लिए कर सकते हैं, बहुत सी दवाई और चाय में इसका उपयोग कर सेवन कर सकते हैं।

बाजार जैसा लच्छा पराठा बनाएं, स्वाद जीत लेगा दिल

नाश्ता हो या फिर लंच व डिनर गर्मागर्म पराठे हर मौके पर लजीज लगते हैं। पराठे ग्रेवी सब्जी से ड्राई सब्जी तक के साथ खाने में स्वादिष्ट लगते हैं। अधिकतर लोगों को पराठा पसंद होता है। पराठे के तरह से बनते हैं। लेकिन जब पराठे में ढेर सारी परते होती हैं तो उसका स्वाद दोगुना हो जाता है। लच्छा पराठा तो खाने के जायजा ही बदल देता है पर आमतौर पर घर पर लोग कई लेयर्स या परतों वाला पराठा नहीं बना पाते। इसे आप लच्छा पराठा भी कह सकते हैं। पराठे में जितनी ज्यादा परते होती हैं, उसका स्वाद उतना ही अच्छा लगता है। बाजार के लच्छा पराठा खाने के लिए आप पैसे खर्च करते हैं लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं 7 लेयर पराठा बनाने की रेसिपी। लच्छा पराठा बनाने की कुछ आसान टिप्स और ट्रिक्स हैं, जिन्हें फॉलो करके आप मिनटों में परफेक्ट पराठा बना सकती हैं।

लच्छा पराठा बनाने का तरीका

गेहूं के आटे, मैदे और पानी को मिलाकर आटा गूंथ लें। आटा गूंथते समय इसमें थोड़ा तेल या घी मिलाएं।आटे को 15 मिनट के लिए ढक कर अलग रख दें। अब आटे की एक बड़ी लोई बेलें। इस लोई में से 7 पतली लेयर्स काट लीजिए। फिर इन सातों लेयर्स पर तेल और सूखा आटा लगाइए और एक के ऊपर एक रखते जाइए। सातों परतों को एक के ऊपर एक रख कर मोड़कर लोई बना लीजिए। इस लोई को हल्के हाथों से बेलें। धीरे धीरे से पराठे का आकार दे दीजिए। अब गैस पर तवा रखकर गर्म करें और उसपर बेला हुआ पराठा रखें। स्टेप 8- पराठे को एक तरफ सेंक लें, हल्का भूरा होने पर पलट कर घी लगा लें। तब तक दूसरी तरफ भी सेंक लें।

कार्नर न्यूज

योगासन आपको देता है दिल की तकलीफों से राहत

आप चाहें तो कम कर सकते हैं हार्ट ब्लॉकेज का खतरा, अपनाइए कुछ बेहद आसान से आसन

खराब लाइफस्टाइल और खराब खानपान की वजह से इन दोनों हार्ट ब्लॉकेज की समस्या काफी ज्यादा बढ़ गई है इसके कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्या देखी जा रही है। दरअसल ब्लॉकेज का मुख्य कारण बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल होता है जो धमनियों को संकुचित कर देता है। अगर आप भी हार्ट ब्लॉकेज की समस्या से बचना चाहते हैं तो आप इन योगासनों को रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इस बारे में योगा एक्सपर्ट नुपूर रोहातगी जानकारी दे रही हैं।

भुजंगासन

भुजंगासन करने से हार्ट हेल्थ को फायदा मिल सकता है। इससे दिल की मांसपेशियां मजबूत होती है। और ब्लॉकेज का खतरा भी काफी कम होता है। हालांकि अगर आपको हाई बीपी में इससे बचना चाहिए।

कैसे करें भुजंगासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब दोनों हथेलियां को जांघों के पास से जमीन की तरफ रखें। दोनों हाथों को आगे की ओर लाएं। अब अपने शरीर का सारा

वजन हथेलियों पर डाल दें। सांस खींचें और अपने सिर को उठाकर पीठ की तरफ खींचने की कोशिश करें। सिर को पीछे खींचते हुए छाती को आगे निकलने की कोशिश करें। इस तरह से आपका सिर सांप के फन की तरह नजर आएगा। इसके बाद अपने हिप्स, कंधों और पैरों को फर्श की तरफ दबाएं। इस स्थिति में करीब 15 से 30 सेकंड रहे। सांस छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में आ जाएं।

धनुरासन

धनुरासन करने से हार्ट ब्लॉकेज की समस्या को दूर करने में मदद मिलती है। एक्सपर्ट की माने तो इस आसन को करने से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है और जब आपका कोलेस्ट्रॉल होगा तो ब्लॉकेज की समस्या भी दूर होगी।

धनुरासन कैसे करें

धनुरासन करने के लिए सबसे पहले आप योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने दोनों हाथों को शरीर के समानांतर रखें। अपने पैरों को पीछे की ओर से मोड़ें,अब हाथों को पीछे की ओर ले जाते हुए पैरों को पकड़ने की कोशिश करें। इस स्थिति में काम से कम 30 सेकेंड या अपनी क्षमता के मुताबिक रुकें। अब सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएं।

16.71 हजार करोड़ में आदित्य बिड़ला, टाइम्स ग्रुप समेत 4 कंपनियों ने खरीदा, राजस्थान रॉयल्स 15 हजार करोड़ में बिकी

आरसीबी सबसे महंगी आईपीएल टीम

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बेंगलुरु IPL की सबसे महंगी टीम बन गई। RCB टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, RCB की मेंस और विमेंस टीम को आदित्य बिड़ला ग्रुप (ABG), टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप (TOI), बोल्ट वेंचर्स (Bolt) और ब्लैकस्टोन्स परपिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी (BXPE) ने मिलकर खरीदा। डील को पूरा करने के लिए BCCI, कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया और अन्य

रेगुलेटरी संस्थाओं की मंजूरी जरूरी होगी। दोनों ही टीमें मौजूदा समय में IPL और WPL की चैंपियन हैं। इससे पहले क्रिकबज ने ही मंगलवार को बताया था कि राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी IPL टीम बन गई।

न्यूज एजेंसी PTI ने सोर्स के हवाले से बताया कि भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने राजस्थान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई, जिसे मंजूर कर लिया गया।

> आरसीबी सबसे महंगी टीम बनी। वहीं राजस्थान ने लखनऊ सुपर जायंट्स का रिकॉर्ड तोड़ा था। लखनऊ को संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने 2021 में 7,090 करोड़ की भारी बोली लगाकर खरीदा था।

4 कंपनियों के कंसोर्टियम ने पिछली मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (USL) के साथ एग्रीमेंट साइन किया और RCB के 100% शेयर्स खरीद लिए। इस एग्रीमेंट में RCB की मेंस और विमेंस दोनों टीमें शामिल हैं। विमेंस टीम के नाम 2 विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) टाइटल हैं, वहीं मेंस टीम 2025 में ही पहली बार चैंपियन बनी थी। RCB को 2008 में विजय माल्या ने 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। तब यह कीमत भारतीय मुद्रा में 446 करोड़ रुपए थी, लेकिन मार्च 2026 के कन्वर्जन के हिसाब से यह कीमत 1050 करोड़ रुपए होती है। यानी RCB की कीमत 19 साल में करीब 16 गुना तक बढ़ गई। RCB को 2016 में USL कंपनी ने खरीद लिया था। अब 10 साल बाद टीम को नया मालिक मिल गया।

आर्यमान बिड़ला चेयरमैन बने

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की नई ओनरशिप के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान बिड़ला को टीम का चेयरमैन भी बनाया गया। 28 साल के आर्यमान बिड़ला का क्रिकेट और बिजनेस दोनों में अनुभव रहा है। वे पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं और मध्य प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं।

उन्होंने 16 पारियों में 414 रन बनाए, जिनमें एक शतक शामिल है। 2018 के IPL ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। इसके बाद 2019 में उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया।

क्रिकेट से दूर होने के बाद उन्होंने बिजनेस पर फोकस किया। आर्यमान ने आदित्य बिड़ला ग्रुप के हॉस्पिटैलिटी और वेंचर कैपिटल की शुरुआत की। 2023 में वे ग्रुप की टॉप डिसीजन मेकिंग बॉडी में शामिल हुए। इसके अलावा वे हिंदाल्को इंडस्ट्रीज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल जैसी कंपनियों के बोर्ड में भी हैं।

आर्यमान बिड़ला मध्य प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं।

पूजा-दर्शन करके 56 भोग अर्पित किए शादी के बाद पहली बार वृंदावन आए

कुलदीप यादव पत्नी वंशिका के साथ बांके बिहारी मंदिर पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । क्रिकेटर कुलदीप यादव ने पत्नी वंशिका के साथ वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन किए। वे मंगलवार शाम साढ़े 7 बजे मंदिर पहुंचे थे। दोनों ने देहरी (चौखट) पर इत्र लगाकर सेवा की। भगवान को 56 भोग अर्पित किए। शादी के बाद दोनों पहली बार मथुरा पहुंचे थे। कुलदीप इतनी गुपचुप तरीके से वृंदावन पहुंचे कि किसी को इसकी भनक तक नहीं हुई। फोटो-वीडियो सामने आने के बाद बुधवार सुबह लोगों को इसकी जानकारी हुई। दोनों करीब 25 मिनट तक मंदिर में रहे। इस दौरान मंदिर के गार्ड उन्हें घेरकर खड़े रहे। मंदिर के सेवायत शैलेंद्र गोस्वामी ने बताया कि कुलदीप के परिवार ने उनके आने की जानकारी दी थी। भीड़भाड़ से बचने के लिए इसे गोपनीय रखने को कहा

था। मंदिर पहुंचने पर मैंने और नितिन सांवरिया ने पूजा-अर्चना कराई। इत्र देकर चौखट की पूजा करवाई। भगवान की प्रसादी माला भेंट की। करीब एक घंटे वृंदावन में रहने के बाद दोनों दिल्ली रवाना हो गए।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को मसूरी में शादी की थी। शादी में क्रिकेटर रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी पहुंचे थे। 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन पार्टी हुई थी। सीएम योगी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कुलदीप-वंशिका को आशीर्वाद दिया था। कुलदीप और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं। ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती थीं। पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। कुलदीप लाल बंगला इलाके में रहते हैं। वंशिका और कुलदीप के घर के बीच की दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर थी। कुलदीप ने साल 2024 में एक इंटरव्यू में वंशिका के बारे में बात करते हुए कहा था कि उनकी जिंदगी में उनके लिए खास जगह है।

डकेट ने आईपीएल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने IPL 2026 से नाम वापस ले लिया है। खराब फॉर्म के बीच अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देने के लिए उन्होंने यह फैसला लिया। हालांकि, आखिरी समय पर हटने के कारण उन्हें IPL से दो साल के बैन का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि पिछले साल फ्रेंचाइजियों ने ऐसे विदेशी खिलाड़ियों पर सख्ती करने का फैसला किया था।

वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। उन्हें चोटिल नाथन एलिस की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर 1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर साइन किया गया है। एलिस पुरानी हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिसंबर में हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने बेन डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। डकेट पहली बार IPL खेलने वाले थे, लेकिन टीम में विदेशी खिलाड़ी के स्लॉट के लिए उन्हें श्रीलंका के पथुम निसांका से कड़ी टक्कर मिल रही थी।

आईपीएल में 11 साल टीम का हिस्सा रहे, 2 बार खिताब जिताया

केकेआर ने रसेल की जर्सी नंबर 12 रिटायर की

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के सम्मान में उनकी जर्सी नंबर 12 को रिटायर कर दिया है। रसेल 2014 से 2025 तक टीम का हिस्सा रहे, सिर्फ 2017 सीजन को छोड़कर। पिछले साल नवंबर में उन्होंने IPL से संन्यास लिया और अब टीम के पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

आंद्रे रसेल का IPL करियर मुख्य रूप से कोलकाता नाइट राइडर्स के इर्द-गिर्द ही रहा। उन्होंने अपने कुल 140 IPL मैचों में से 133 मैच सिर्फ KKR के लिए खेले। वे 11 सीजन तक टीम के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहे। रसेल ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से, बल्कि अपनी डेथ ओवर

गेंदबाजी से भी टीम को कई मुश्किल मैचों में जीत दिलाई।

कोच की नई भूमिका को लेकर रसेल ने कहा,'मुझे नहीं लगता कि कोच बनने से मेरी मानसिकता में कोई बदलाव आया है। यह उन खिलाड़ियों को कुछ वापस देने जैसा है जिनके साथ और जिनके खिलाफ मैं सालों तक खेला हूं। मुझे वापस आकर इन लड़कों की मदद करने में बहुत अच्छा लग रहा है।'

रसेल का नाता सिर्फ IPL वाली KKR से ही नहीं रहा, बल्कि वे नाइट राइडर्स की अन्य फ्रेंचाइजी के लिए भी खेलते रहे हैं। वे ILT20 में 'अबू धाबी नाइट राइडर्स' और CPL में 'त्रिनबागो नाइट राइडर्स' का भी हिस्सा रहे। इन दोनों ही टीमों के लिए उन्होंने 4-4 सीजन खेले हैं। इसके अलावा 2014-15 के चैंपियंस लीग टी-20 में भी उन्होंने KKR को फाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी।

2014 और 2024 की खिताबी जीत का रहे हिस्सा

रसेल दो बार KKR की खिताबी जीत (2014 और 2024) का हिस्सा रहे। 2014 में उन्होंने सिर्फ 2 मैच खेले थे, लेकिन 2024 में टीम को चैंपियन बनाने में उनकी भूमिका सबसे बड़ी रही। उस सीजन में रसेल ने 15 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए और 19 विकेट भी झटके। गेंदबाजी में उनका औसत 15.52 का रहा, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए बेहतरीन आंकड़ा है।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

चीन ने लौटाई भारतीय चावल की खेप

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच व्यापार से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। चीन ने भारत से भेजी गई नॉन-बासमती चावल की तीन खेपों को यह कहते हुए लौटा दिया कि उनमें जेनेटिकली मॉडिफाइड ऑर्गेनिज्म मौजूद हैं। खास बात यह है कि इन खेपों को भेजने से पहले चीन की ही एक एजेंसी द्वारा जांच कर क्लियर किया गया था, इसके बावजूद वहां पहुंचने के बाद इन्हें खारिज कर दिया गया। इससे भारतीय निर्यातकों और सरकार के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। भारत में अभी तक किसी भी खाद्य फसल की व्यावसायिक स्तर पर जीएमओ खेती की अनुमति नहीं है। केवल कपास ही एक ऐसी फसल है जिसे जीएमओ रूप में उगाने की इजाजत दी गई है।

अकासा एयर ने 2.5 करोड़ यात्रियों का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने संचालन शुरू करने के मात्र 42 महीनों (साढ़े तीन साल) से थोड़े अधिक समय में 2.5 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा देने की उपलब्धि हासिल कर ली है। अकासा ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली सबसे तेज भारतीय एयरलाइन बन गयी है।

एम3एम ने गुरुग्राम में अंताल्या हिल्स में कब्जा देना शुरू किया

नई दिल्ली। अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर एम3एम ने हरियाणा के गुरुग्राम में सेक्टर 79 स्थित अपनी प्रीमियम लो-राइज आवासीय परियोजना एम3एम अंताल्या हिल्स में कब्जे देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस परियोजना को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट प्राप्त हो चुका है। अरावली पर्वतमाला की तलहटी में 33 एकड़ में फैली इस परियोजना में 2,540 लो-राइज़ मकान हैं, जो 35.1 लाख वर्ग फुट में फैले हुए हैं।

[शेयर बाजार] ईरान शांति वार्ता की उम्मीद में दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 1200 अंक उछलकर बंद

वित्त, बैंकिंग, रियलटी समूहों में अत्यधिक लिवाली रही

व्यापार संवाददाता, मुंबई।

ईरान शांति वार्ता की उम्मीद में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों और कच्चे तेल में पांच प्रतिशत की नरमी से बाजार में लिवाली का जोर रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,205 अंक (1.63 प्रतिशत) चढ़कर 75,273.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 394.05 अंक यानी 1.72 प्रतिशत ऊपर 23,306.45 अंक पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर भी दोनों प्रमुख सूचकांक 1.8 प्रतिशत के आसपास चढ़े थे। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा विश्वास दिखाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.07 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.59 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, ऑटो, वित्त, बैंकिंग, धातु, फार्मा, रियलटी, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांक दो फीसदी से अधिक चढ़े। तेल एवं गैस, मीडिया और आईटी समूहों में भी तेजी रही। एनएसई में जिन 3,366 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,423 के शेयर बढ़त में और 852 के गिरावट में रहे। अन्य 91 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 4.12 प्रतिशत मजबूत में 3.50, इंडिगो में 3.46, ट्रेंट में 3.33, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.14 और टाटा स्टील में 3.01 प्रतिशत की तेजी रही। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 2.89 फीसदी, एक्सिस बैंक का 2.55, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.46, बजाज फिनसर्व का 2.44, एशियन पेंट्स का 2.41, सनफार्मा का 2.40, अडानी पोर्ट्स का 2.32 और एचडीएफसी बैंक का 2.16 प्रतिशत चढ़ गया। मारुति सुजुकी का शेयर 1.90 फीसदी, इटरनल का 1.79, भारती एयरटेल का 1.76, आईटीसी का 1.56 और कोटक महिंद्रा बैंक का 1.13 प्रतिशत की तेजी में रहा। एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी ऊपर बंद हुए। टेक महिंद्रा में 1.66 प्रतिशत और पावर ग्रिड में 1.37 प्रतिशत टूट गया। टीसीएस का शेयर भी नीचे बंद हुआ।

एशियाई एवं यूरोपीय बाजारों में तेजी

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 2.87 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.30 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 1.09 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.24 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.99 प्रतिशत ऊपर था।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट आई। ब्रेंट ऑयल 5 फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 99 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं अमेरिकी ऑयल 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ करीब 88.50 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इससे भारत जैसे आयातक देशों को राहत मिलने की उम्मीद है।

सोना 5 हजार से ज्यादा उछला चांदी 10 हजार रुपए चमकी

सोने का भाव 1,43,999 रुपए, चांदी लगभग 2,32,898 रुपए प्रतिकिलो

व्यापार संवाददाता, नई दिल्ली।

सोना और चांदी के वायदा भाव में बुधवार को मजबूत तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों की कीमतें बढ़त के साथ कारोबार कर रही हैं, जिससे निवेशकों का झुकाव एक बार फिर सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट बुधवार को 4,167 रुपये की तेजी के साथ 1,43,079 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,38,912 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब

5,087 रुपये की बढ़त के साथ 1,43,999 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान सोने ने 1,44,434 रुपये का उच्च और 1,43,079 रुपये का निचला स्तर छुआ। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी तेज शुरुआत हुई। एमसीएक्स पर मई कॉन्ट्रैक्ट 8,957 रुपये की तेजी के साथ 2,32,898 रुपये पर खुला, जो पहले 2,23,941 रुपये पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान चांदी करीब 10,554 रुपये की बढ़त के साथ 2,34,495 रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान इसका उच्च स्तर 2,36,137 रुपये रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना 4,571.50 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 73.44 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितता और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते सोना-चांदी की कीमतों में यह तेजी देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में बाजार की दिशा अंतरराष्ट्रीय संकेतों पर निर्भर करेगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे

नई दिल्ली। देश में सामान्य पेट्रोल और डीजल के दाम बुधवार को अपरिवर्तित रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। सामान्य पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल में नरमी देखी गयी और लंदन का ब्रेंट क्रूड का मार्च वायदा पांच प्रतिशत के करीब चढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गया।

रुपया 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले दिन 23 पैसे टूटकर93.76 पर बंद हुआ था

व्यापार संवाददाता, नई दिल्ली।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशक चिंतित हैं।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा में अधिक गिरावट को रोक दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रखा है। अंतरबैंक

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.28 पर रहा।

गेहूं-चावल के दाम घटे, शकर-दालों के बढ़े

व्यापार संवाददाता, नई दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल की औसत कीमत घट गयी। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और दालों में तेजी देखी गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव दो रुपये गिरकर 3849 रुपये प्रति

क्विंटल रह गया। गेहूं 11 रुपये सस्ता हुआ और 2,802 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी 12 रुपये टूट गयी। दाल-दलहनों में तेजी रही। मसूर दाल की औसत कीमत 17 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल, उड़द दाल और चना दाल के दाम 10-10 रुपये बढ़े। तुअर दाल के भाव में टिकाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 41 रिंगिट गिरकर 4,496 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.67 प्रतिशत की नरमी के साथ 65.28 सेंट प्रति पौंड बोला गया।स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 59 रुपये और सरसों तेल की 15 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी।

मां की मौत से दुखी
ड्राइवर ने कंटेनर की बॉडी में फंदा बना लगाई फांसी

भोपाल (नगर संवाददाता)

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित डोबरा में लॉजिस्टिक अमेजान कंपनी के बाहर यार्ड में खड़े कंटेनर के चालक ने कंटेनर की बॉडी में फंदा बनाकर फांसी लगा ली। गार्ड ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल पार्टी की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया। बताया जा रहा है कि वह मां की मौत से दुखी था। परिजनों के भोपाल पहुंचने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से आजमगढ़ यूपी निवासी प्रवेश यादव (27) कंटेनर में ड्राइवर था। वह गाड़ी लेकर पुणे से भोपाल आया था। उसे डोबरा गांव के लॉजिस्टिक ने बुधवार सुबह करीब पौने छह बजे प्रवेश का शव कंटेनर की बॉडी पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पता चला कि मृतक ने चादर के टुकड़े फाड़कर रस्सी बनाई और उसी रस्सी का फंदा कंटेनर की बॉडी में बांधकर फांसी लगा ली। उसके शरीर पर चोट

मां का हुआ था दो साल पहले निधन

पुलिस ने साथी ड्राइवरों और परिजनों से मोबाइल पर चर्चा की। इस दौरान पता चला प्रवेश के पिता पंजाब में प्राइवेट काम करते हैं। प्रवेश दो भाई थे। मां का करीब दो साल पहले निधन हो गया। मां के निधन के बाद से ही प्रवेश दुखी रहने लगा था और आत्महत्या करने की बात कहता था। उसने मोबाइल पर किसी से बात की थी। इस दौरान भी आत्महत्या करने की बात कही थी।

माल लोड कराने लॉजिस्टिक अमेजान कंपनी आया था

जिला शिक्षा अधिकारियों को फटकार अब परीवीक्षा समाप्त कराने को तैयार

भोपाल संभाग में 200 परिवीक्षा प्रस्ताव जेडी कार्यालय पहुंचे

भोपाल (नगर संवाददाता)

नवनियुक्त लोक सेवकों की परीवीक्षा समाप्त करवाने में मैदानी अधिकारियों की कोई रुचि नहीं दिख रही है। शिक्षा विभाग में हाल के दौरान भोपाल संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय की सख्ती यह गवाही दे रही है। जिला शिक्षा अधिकारियों को जब इस मामले में चेतावनी मिली तो आनन फानन में संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय को प्रस्ताव भेजे गए हैं। इसमें उच्च माध्यमिक और माध्यमिक शिक्षकों के मिलाकर 200 प्रकरण हैं। इनमें परीवीक्षा समाप्ति की कार्रवाई अब शुरू हुई है। जेडी कार्यालय का कहना है कि संभाग अंतर्गत राजगढ़, भोपाल विदिशा, रायसेन और सीहोर से जिला शिक्षा अधिकारियों ने उन नवनियुक्त शिक्षकों के परीवीक्षा प्रस्ताव भेजे हैं जिनका नियुक्ति दिनांक से अभी तक 3 साल का समय पूर्ण हो चुका है। जो प्रस्ताव आए हैं अब उनका परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि माध्यमिक शिक्षकों के 20 प्रपोजल हैं। जबकि उच्च माध्यमिक शिक्षकों के 180 प्रकरण है। चूंकि उच्च माध्यमिक शिक्षकों का नियोक्ता अधिकारी लोक शिक्षण संचालनालय है। इसलिए इन सभी 180 शिक्षकों के प्रस्ताव डीपीआई को भेजे जा रहे हैं। जबकि 20 शिक्षक ऐसे हैं जिनकी परीवीक्षा समाप्ति संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय से होना है क्योंकि यह माध्यमिक शिक्षकों के प्रकरण है और इन टीचरों का नियोक्ता अधिकारी संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय होता है।

अनेक शिक्षकों का हुआ तीन साल से ज्यादा का कार्यकाल

जिला शिक्षा अधिकारियों की अनदेखी के कारण कई ऐसे शिक्षक हैं जिनका तीन साल से ज्यादा कार्यकाल हो चुका है। यह शिक्षक निरंतर जिला शिक्षा अधिकारियों से गुहार लगाते रहे लेकिन उनकी परीक्षा समाप्त करने की दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई गई। यह मामला संज्ञान में आने के बाद कमिश्नर ने गहरी नाराजगी जताई थी। बकायदा इस मामले में सभी संभागों को कड़े निर्देश दिए गए थे। इसके ही बाद ही भोपाल संयुक्त संचालक कार्यालय ने सख्ती दिखाई। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारियों ने प्रस्ताव भेजने की कार्रवाई शुरू की।

परीवीक्षा समाप्ति में इन खामियों का परीक्षण

अधिकारियों का कहना है की परीवीक्षा अवधि समाप्त करने में सबसे पहले गोपनीय चरित्रावली का अवलोकन किया जाता है। इसमें यह देखा जाता है कि लोक सेवक पर कोई अपराधिक प्रकरण दर्ज तो नहीं है। नवनियुक्त संबंधित शिक्षक द्वारा कोई वित्तीय अनियमितताएं तो नहीं की गई या फिर नियम विरुद्ध अवकाश तो नहीं लिए गए हैं। इन्हीं बिंदुओं का परीक्षण करके परीवीक्षा समाप्ति के आदेश जारी कर दिए जाते हैं।

इनका कहना

संभाग अंतर्गत सभी जिलों से 200 ऐसे शिक्षकों के परीवीक्षा प्रस्ताव आए हैं जिनकी सेवा के तीन साल कंपलीट हो गए हैं। इनका परीक्षण शुरू कर दिया है। सबसे ज्यादा 180 उच्च माध्यमिक शिक्षकों के प्रस्ताव है जो लोक शिक्षण संचनालय भेजे जाएंगे।

■ **अरविंद चौरगढ़े**
जेडी, भोपाल

पार्सल के नाम पर बुटिक संचालक से एक लाख 19 हजार की ऑनलाइन ठगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोलार पुलिस ने बुटिक संचालक की शिकायत पर अज्ञात सायबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने पार्सल पर एड्रेस स्पष्ट न होने के बहाने से एपीके लिंक डाउनलोड कराया और एक लाख 19 हजार 400 रु. दो अलग-अलग खातों से निकाल लिए। सायबर सेल ने प्रकरण दर्ज कर डायरी कोलार पुलिस को भेजी है।

सायबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

पुलिस के मुताबिक यशोदा परिसर बीमाकुंज निवासी नरेन्द्र नारंग (66) सपना कलेक्शन के नाम से लेडीज सूट की दुकान चलाते हैं। 14 मार्च की दोपहर उन्हें एक अंजान नंबर से किसी ने कॉल किया। कॉल करने वाले ने कहा कि आपका पार्सल आना है। उस पर एड्रेस क्लियर नहीं है। इसलिए आप हमारे लिंक को डाउनलोड कर कस्टमर सपोर्ट एपीके को डाउनलोड कर दो। इससे आपका पार्सल आपके पते पर पहुंचा देंगे। फरियादी का कहना है कि उनका एक इलेक्ट्रॉनिक सामान का पार्सल आना था। वही समझ कर उन्होंने कॉल करने वाले के कहे अनुसार एपीके लिंक डाउनलोड कर दिया। उसके करीब पांच मिनट बाद ही नरेन्द्र नारंग के मोबाइल में उनके एचडीएफसी बैंक कोलार रोड के खाते से एक लाख रुपए यूपीआई से निकल गए।

लेगेसी वेस्ट टेंडर का मामला :निगम कमिश्नर ने शासन को भेजी फाइल

परिषद में मंजूरी न मिलने के कारण लिया फैसला

भोपाल (नगर संवाददाता)

लेगेसी वेस्ट टेंडर की फाइल अब शासन के पास पहुंच गई है। नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने पूरे मामले की नोटशीट बनाकर शासन को अवगत करा दिया है। अब शासन ही इस मामले में फैसला लेगा। दरअसल लेगेसी वेस्ट की मंजूरी के लिए प्रस्ताव पहले एमआईसी भेजा गया था। यहां से मंजूरी न मिलने के कारण दो दिन पहले प्रस्ताव परिषद भेजा गया लेकिन परिषद ने भी इसे मंजूर नहीं किया। अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कमिश्नर को ही इस पर फैसला लेने के लिए अधिकृत किया था।

गौरतलब है कि आदमपुर छावनी कचरा खंती में लगभग साढ़े 7 लाख मिट्रिक टन लेगेसी वेस्ट मौजूद है। इसे खत्म करने के लिए नगर निगम ने 33 करोड़ का टेंडर लगाया था। इसके विरूद्ध सौराष्ट्र कंपनी ने 55 करोड़ का टेंडर डाला है। लगभग 67

प्रतिशत अधिक रेट आने के कारण टेंडर को मंजूरी के लिए करीब 10 दिन पहले निगम प्रशासन ने एमआईसी को प्रस्ताव भेजा था। इससे पहले भी निगम प्रशासन इस प्रस्ताव को एमआईसी भेज चुकी है। दोनों बार मंजूरी न मिलने के कारण 23 मार्च को प्रस्ताव परिषद के सामने रखा गया। अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने एमआईसी मेंबरों सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों से इस पर राय मांगी लेकिन कोई भी पार्षद इस प्रस्ताव पर चर्चा करने को तैयार नहीं हुआ। बल्कि सभी ने कहा कि इस प्रस्ताव पर कमिश्नर खुद ही फैसला लें।

- **कमिश्नर की समझाइश भी नहीं आई काम :** परिषद में जब सभी पार्षदों ने लेगेसी वेस्ट के टेंडर को लौटाने को कहा तो अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को ही इस मामले में फैसला लेने के लिए अधिकृत किया। तब कमिश्नर ने पूरे सदन को बताया कि उनके पास मात्र 5 करोड़ के ही वित्तीय अधिकार हैं। इसलिए उन्होंने परिषद से दोबारा प्रस्ताव पर विचार करने की अपील की। वही कमिश्नर ने एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामलों का भी हवाला दिया। इसके बाद भी परिषद ने प्रस्ताव पर विचार नही किया।
- **अब शासन के पाले में जिम्मेदारी :** निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने लेगेसी वेस्ट टेंडर की फाइल शासन को भेज दी है। बताया जाता है कि फाइल राज्य सरकार को भेजते हुए अपर मुख्य सचिव संजय दुबे को पूरे मामले से अवगत करवा दिया है। एक अप्रैल से नए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम लागू होने हैं। ऐसे में राज्य सरकार और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के स्तर पर जल्द अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है। वही कोर्ट में निगम ने 300 दिन में लेगेसी वेस्ट को खत्म करने का शपथ पत्र दिया है और इसकी समय-सीमा मात्र 260 दिन बची है।

आठ साल पुराने कमर्शियल वाहनों की अब हर दो साल में फिटनेस जांच जरूरी

भोपाल (नगर संवाददाता)

केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के निर्देशानुसार परिवहन विभाग ने प्रदेशभर में कमर्शियल वाहनों की फिटनेस को लेकर नए नियम लागू कर दिए हैं। इसके तहत अब 8 साल पुराने कमर्शियल वाहनों को हर 2 साल में फिटनेस कराना अनिवार्य है। यह जांच ऑटोमेटिड फिटनेस टेस्टिंग सेंटर यानि एटीएस में कंप्यूटरीकृत और आधुनिक मशीनों के सहयोग से की जाएगी। परिवहन विभाग के अफसरों का कहना है कि सड़क हादसों और प्रदूषण में कमी लाने के लिए फिटनेस को लेकर यह सख्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि अनफिट वाहनों से होने वाले हादसों और प्रदूषण को रोका जा सके। राजधानी में वाहनों की आधुनिक ढंग से जांच के लिए एटीएस काम कर रहा है, जहां वाहनों की नियमित जांच हो रही है। अफसरों के मुताबिक 8 साल से पुराने वाहन मालिकों को अब हर 2 साल में फिटनेस की जांच जरूरी होगी।

केन्द्र सरकार के निर्देश के बाद परिवहन विभाग ने लागू की व्यवस्था

कार्यक्रम से लौट रहे साढू भाइयों को मारी टक्कर, एक की मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर पुलिया के पास मंगलवार देर रात तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार साढू भाइयों को टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक की मौत हो गई। दोनों साढू हिनोतिया जिला गुना से एक सगाई कार्यक्रम से लौटे थे और जाटखेड़ी में मृतक के छोटे भाई के घर खाना खाकर घर जाने रवाना हुए थे। हादसे के बाद लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक गेहूंखेड़ा कोलार निवासी सोनू वाल्मीकि (35) मेनिट कॉलेज में टीटीटीआई हॉस्टल में साफ-सफाई का काम करते हैं। 22 मार्च को वह अपने साढू राजेश नरवरे (45) निवासी वाल्मीकि मंदिर के पास कोलार के साथ उनकी मोटरसाइकिल से सगाई कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम हिनोतिया गए था। 23 मार्च की रात दस बजे दोनों भोपाल आ गए और राजेश के छोटे भाई गजनाम नरवरे के घर जाटखेड़ी मिसरोद चले गए। वहां खाना खाया और रात करीब साढ़े 11 बजे अपने घर के लिए रवाना हो गए। मोटरसाइकिल राजेश नरवरे चला रहे थे। जैसे ही मोटरसाइकिल रोहित नगर पुलिया के पास पहुंची, एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। सोनू व राजेश के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई थी। कार चालक और वहां मौजूद अन्य लोग दोनों घायलों को नजदीक के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान राजेश नरवरे की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि राजेश भी साफ-सफाई का काम करते थे। घायल सोनू की शिकायत पर कार क्रमांक एमपी 04 ईए 8507 के चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की वजह से चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

भोपाल-नवी मुंबई की उड़ान 29 से यात्रियों को मिलेंगी कई सुविधाएं

- **समय का विकल्प होने से यात्रियों बेहतर सुविधा मिलेगी**
- **राजाभोज एयरपोर्ट से इंडिगों देगी ये सेवाएं**

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

उड़ान का ये रहेगा समय (रात्रिकालीन सेवा)

उड़ान नंबर	मार्ग	प्रस्थान	आगमन
6 ई-397	नवी मुंबई भोपाल	शाम 6.50	रात 8.10
6 ई-753	भोपाल-नवी मुंबई	रात 8.50	रात 10.20

आगामी 29 मार्च से भोपाल से नवी मुंबई के लिए इंडिगो एयरलाइन की नई उड़ान सेवा शुरू की जा रही है। अगर आप मुंबई के लिए सीधी फ्लाइट सेवा चाहते हैं, तो ये आपके सफर को और अधिक आसान बना देगी। इस सेवा से यात्रियों को तेज, आरामदायक और सीधी यात्रा का विकल्प मिलेगा, जिससे कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा।

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार फ्लाइट का समय ऐसी रखा गया है कि यात्री दिनभर का काम निपटाकर आराम से सफर कर सकें। यह सुविधा खासकर बिजनेस और नियमित यात्रियों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। इंडिगों से भोपाल से मुंबई का किराया 5296, भोपाल से नवी मुंबई का 5526 रुपए रहेगा। जबकि एयर इंडिया से भोपाल-मुंबई का किराया 8845 रुपए है।

व्यवसायी वर्ग को मिलेगा लाभ: एयरपोर्ट के निदेशक रामजी अवस्थी ने बताया कि इस यात्रा से भोपाल से नवी मुंबई तक बिना किसी बदलाव के उड़ान की सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। ये उड़ान बिजनेस ट्रैवल के लिए बेहतर विकल्प रहेगा। इसमें पुणे तक सड़क और लोकल ट्रांसपोर्ट से आसान पहुंचा जा सकता है। इंडिगों की इस नई सेवा से दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट्स के अलावा दुबई, सिंगापुर और लंदन जैसे अंतरराष्ट्रीय शहरों तक बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

मार्च के अंतिम सप्ताह में उमड़ रही भीड़, परेशान हो रहे पक्षकार
दोपहर एक बजे के स्लॉट पर चार बजे रजिस्ट्री

पंजीयन की ऑनलाइन व्यवस्था ने बढ़ाई पक्षकारों की परेशानी

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

पंजीयन कार्यालय में हितग्राहियों की लगी भीड़

अचल संपत्तियों के पंजीयन की ऑनलाइन व्यवस्था (सम्पदा-2.0) जहां पंजीयन अधिकारियों के लिए सुविधाजनक और समय की बचत करने वाली है। वहीं इस व्यवस्था ने पक्षकारों की परेशानी बढ़ा दी है। पंजीयन, मॉर्डिगेज अथवा डि-मॉर्डिगेज के लिए ऑनलाइन स्लॉट ले रहे हितग्राहियों की रजिस्ट्री स्लॉट में दर्शाए गए समय के हिसाब से नहीं, बल्कि टोकन के आधार पर हो रही है। स्लॉट और टोकन के समय में 4-5 घंटे तक का अंतर आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम महीने के कुल छह दिन शेष हैं। 1 अप्रैल से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संपत्ति की कलेक्टर गाइडलाइन के हिसाब से मूल्य बढ़ने की संभावना के चलते संपत्ति पंजीयन के लिए पंजीयन कार्यालयों में भीड़ उमड़ रही है। राजधानी के तीनों रजिस्ट्रार कार्यालय के सभी उप रजिस्ट्रार सुबह 11 बजे कार्यालय पहुंच रहे हैं और आवंटित स्लॉट की बढ़ती संख्या के कारण रात 9 बजे के बाद तक रजिस्ट्री कर रहे हैं।

लंबा इंतजार होता है

संपत्ति पंजीयन प्रक्रिया में क्रेता-विक्रेता के अलावा दो गवाह भी जरूरी है। गवाहों को पहले सर्विस प्रोवाईडर के यहां ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करनी होती है। इसके बाद रजिस्ट्रार कार्यालय की विंडो पर भी उन्हें फिर से वही प्रक्रिया दोहरानी होती है। नौकरी-पेशा अथवा कारोबार छोड़कर पक्षकारों के साथ गवाहों को भी लम्बा समय इंतजार करना पड़ रहा है। आईएसबीटी स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय संभाग-2 और संभाग-3 के संयुक्त परिसर में आधा सैकड़ा से अधिक कुर्सी पक्षकारों के बैठने के लिए डाली गई हैं। लेकिन मार्च के अंतिम दिनों में हर समय कार्यालय में ढाई से तीन सौ लोगों की भीड़ रहती है। अधिकांश पक्षकार और गवाहों को खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।

बैठने की व्यवस्था न शौचालय ठीक

ट्रायसिकल पर 80 वर्षीय बुजुर्ग बहिन को लेकर जिला पंजीयन कार्यालय पहुंचे सुभाष नगर निवासी सूर्यप्रकाश जोशी ने बताया कि उन्हें ढाई बजे का स्लॉट मिला था, इस कारण 2 बजे पंजीयन कार्यालय पहुंच गए थे, लेकिन शाम 4 बजे तक नंबर नहीं आया है। स्लॉट के सर्विस प्रोवाईडर ने टोकन लिया, जिसका नंबर 140 है। इतनी देर तक बैठने के लिए न तो पर्याप्त कुर्सियां और स्थान है और न ही पीने का पानी है। शौचालय भी गंदा और कमोड वाला नहीं है। बुजुर्गों को बैठाना बड़ा मुस्किल हो रहा है।

टोकन नंबर के आधार पर हो रही रजिस्ट्री

सुभाष नगर निवासी प्रकाश शर्मा ने बताया कि पक्षकारों को स्लॉट के समय पर बुलाया जाता है, लेकिन रजिस्ट्री टोकन नंबर के आधार पर ही हो पा रही है। इस स्लॉट सिस्टम में बुजुर्गों, दिव्यांगों के लिए आरक्षण या जल्दी पंजीयन जैसा प्रावधान भी नहीं है। स्लॉट के समय रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है तो टोकन के आधार पर समय मिलना चाहिए।

एक रजिस्ट्री में पूरा दिन बर्बाद

विनय निवासी अशोका गार्डन ने कहा कि संपदा-2 जैसी व्यवस्था में बताया गया था कि पक्षकार घर बैठे रजिस्ट्री कर सकते हैं। वास्तविकता इसके उलट है। पक्षकारों को सर्विस प्रोवाईडर के माध्यम से रजिस्ट्री प्रक्रिया करानी पड़ती है। स्लॉट और टोकन के फेर में पूरा दिन बर्बाद होता है।

कपड़ा कारोबारी के खाते से निकाले एक लाख 19 हजार रुपए, केस दर्ज

जालसाजों ने पार्सल सप्लाई के लिए भेजी थी एपीके फाइल

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोलार रोड में कपड़ा कारोबारी के दो खातों से एक लाख, 19 हजार से ज्यादा की रकम निकल गई। इससे पहले जालसाजों ने दुकान का पार्सल सही लोकेशन भेजने के नाम पर उनके मोबाइल पर एपीके फाइल डाउनलोड करा दी थी। पुलिस ने जालसाजी का प्रकरण दर्ज करके जांच शुरु कर दी है।

पुलिस के अनुसार नरेंद्र नारंग पिता स्वर्गीय मोहन लाल नारंग उम्र 66 साल बीमाकुंज स्थित यशोदा परिसर में रहते हैं। उनकी घर के पास ही सपना कलेक्शन के नाम से कपड़ों की दुकान हैं। नरेंद्र नारंग के पास 14 मार्च की दोपहर लगभग एक बजे फोन आया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने बोला कि कपड़ों का एक पार्सल डिलीवर करना है। पता नहीं मिलने के कारण परेशानी हो रही है।

आरोपी ने कंपनी की तरफ से बातचीत करते हुए कहा कि उनके मोबाइल पर एक फाइल भेज रहे हैं। जिसको डाउनलोड करने पर उनका पार्सल सही लोकेशन में आ जाएगा। वह फाइल डाउनलोड करने के कुछ देर बाद उनके एचडीएफसी बैंक खाते से एक लाख रुपए और केनरा बैंक के दूसरे खाते से 19,400 रुपए निकल गए। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय हेल्प लाइन में मदद मांगी। मामले की शुरुआती जांच भोपाल सायबर क्राइम ब्रांच ने की थी। जिसके बाद केस डायरी एफआईआर दर्ज करने के लिए मंगलवार को कोलार रोड थाने भेजी गई।

एनएएसएस सेल का किया उद्घाटन, विशेषज्ञों ने लिया भाग
एम्स भोपाल में अंगदान के लिए 'आभार कार्ड' शुरू

भोपाल (नगर संवाददाता)

एम्स भोपाल ने अंगदान और प्रत्यारोपण कराने वाले मरीजों के लिए 'आभार कार्ड (एम्स भोपाल अंगदान एवं जीवन रक्षण कार्ड)' की शुरुआत। इसके तहत लाभार्थियों को ओपीडी पंजीकरण में प्राथमिकता, जरूरत के अनुसार सर्जरी में प्राथमिकता और संस्थान के प्रोटोकॉल के अनुसार जांच सेवाओं तक आसान पहुंच दी जाएगी। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) दिगंबर बेहरा ने एम्स भोपाल में एनएएसएस सेल का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य मध्यभारत में अंगदान को बढ़ावा देना और ट्रांसप्लांट सेवाओं को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अंगदान की शपथ भी दिलाई गई।

बता दें कि एम्स भोपाल में अंगदान और प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल की गई है। क्षेत्रीय सीएमई और कार्यशाला के दौरान 'आभार कार्ड' योजना शुरू की गई, जिसके तहत अंगदान करने वाले मरीजों के परिजनों को चिकित्सा सेवाओं में प्राथमिकता मिलेगी। कार्यक्रम में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएसएस) सेल का भी उद्घाटन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने अंगदान की जरूरत पर जोर देते हुए बताया कि एम्स भोपाल अब ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और भविष्य में नई सुविधाएं भी शुरू होने जा रही हैं।

ट्रांसप्लांट में तेजी से आगे बढ़ रहा एम्स भोपाल

डॉ. बेहरा ने बताया कि एम्स भोपाल में अब तक 3 हार्ट और 18 किडनी ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। एम्स दिल्ली के बाद भोपाल दूसरा एम्स है, जहां हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध है, जो बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

मध्यभारत में बनेगा मजबूत ट्रांसप्लांट सेंटर

विशेषज्ञों ने कहा कि ट्रांसप्लांट एक जटिल प्रक्रिया है, लेकिन एम्स भोपाल इस क्षेत्र में मजबूत केंद्र के रूप में उभर रहा है। ह्रस्व सेल के माध्यम से अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाएगी और अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाएगा।

लिवर और लंग ट्रांसप्लांट की तैयारी

एम्स प्रबंधन के अनुसार, संस्थान में लिवर और लंग ट्रांसप्लांट शुरू करने की तैयारी चल रही है। संभावना है कि ये सुविधाएं इसी साल शुरू हो जाएंगी, जिससे मरीजों को और बेहतर इलाज मिल सकेगा।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)